सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 320 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 3 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

फर्जी मार्कशीट से बन गई थी आंगनबाड़ी सहायिका, केस दर्ज

जशपुरनगर। आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती में फर्जीवाड़ा मामले में दो महिलाओ के विरुद्ध सन्ना और बगीचा पुलिस ने धारा 420,467,468,471 के तहत अपराध दर्ज किया है। सन्ना के आइसीडीएस विभाग के परियोजना अधिकारी ने शिकायत में कहा है कि 2022 - 23 में ग्राम पंचायत डुमर्कोना के धोरापाठ में आँगनबाड़ी कार्यकर्ता की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया था। भर्ती प्रक्रिया के बाद डुमरकोना निवासी माधवी बाई पति भागीरथी को नियुक्ति दी गई थी। ज़ब माधवी के कक्षा 12 वी की अंक सूची को सत्यापन के लिए सूरजपुर जिले के भैयाथान भेजा गया तो स्कूल के प्राचार्य ने उक्त अंक सूची को फर्जी बताया। धोरासाढ में नियुक्त माधुरी के अंक सूची को भी सत्यापन के दौरान फर्जी पाया गया था।

दोनों मामला सामने आने के बाद,जनजातीय सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व मंत्री गणेश राम भगत ने फर्जीवाडा कर नोकरी हासिल करने वालों के खिलाफएफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। महिला एवं बाल विकास विभाग ने माधवी और माधुरी को बर्खास्त करने और उनके स्थान पर दूसरा स्थान पाने वाली महिलाओ को नियुक्ति पत्र जारी कर मामले से पल्ला झाड लिया था। इससे भड़के जनजातीय सुरक्षा मंच ने एक बार फिर बैठक के बाद 12 सितंबर को सन्ना में धरना प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। इसके बाद विभाग फर्जीवड़ा करने वाली दोनों महिलाओ के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की है।

छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों ने किया हड़ताल का ऐलान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारी महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने आंदोलान की

शुरुआत कर दी है। साथ ही हड़ताल की तारीख की भी घोषणा कर दी है। छत्तीगसढ़ कर्मचारी- अधिकारी मोर्चा ने 9 सितंबर और फेडरेशन ने 11 और 27 सितंबर को एक दिन के हड़ताल पर रहने का ऐलान किया है। हड़ताल की अलग-अलग तारीखों की वजह से प्रदेश के शिक्षक संशय में हैं। वजह यह है कि शिक्षकों का कुछ संगठन मोर्चा में तो कुछ फेडरेशन में शामिल है।

इसे देखते हुए छत्तीसगढ़ के शिक्षकों के संयुक्त संगठन ने मोर्चा और फेडरेशन के प्रदेश संयोजकों के नाम एक अपील जारी की है। इस अपील शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रांतीय संचालक मनीष मिश्रा, विरेंद्र दुबे, विकास राजपूत और संजय शर्मा के हस्ताक्षर है। शिक्षक नेताओं ने मोर्चा के प्रांतीय संयोजक अनिल शुक्ला और फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा से हड़ताल की तारीख एक करने की अपील की है।

दुर्ग-रायपुर स्टेशनों में रेल कोच रेस्टोरेंट

मिलेगा छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के साथ बहुत कुछ, रेलवे ने किया जगह का चयन, अब टेंडर की तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ की जनता को बहुत जल्द रायपुर और दुर्ग रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के कोच में रेस्टोरेंट देखने को मिलेगा। रायपुर रेल मंडल ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्टेशन पहुंचने के बाद ट्रेन के इंतजार के बीच यात्री रेल कोच रेस्टोरेंट में अपना कुछ समय बिता सकते हैं, साथ ही छत्तीसगढ़ व्यंजन का मजा ले सकते हैं। गौरतलब है कि रायपुर और दुर्ग रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन के तहत विकसित किया जा रहा है। इसी योजना के तहत छत्तीसगढ़ में रायपुर और दुर्ग स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट बनाया जा रहा है। रेलवे ने इसके लिए जगह आईडेंटिफाई कर ली है। पूरी प्रक्रिया टेंडर के जरिए होगी।

जल्द खुलेगा रेल कोच रेस्टोरेंट

रायपुर रेलवे के सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी ने बताया कि रेल कोच रेस्टोरेंट का एक कॉन्सेप्ट है, जिसमें छत्तीसगढ़ की जनता को रेलवे कोच के अंदर एक रेस्टोरेंट ओपन करके फील देना होता है। इस तरह का प्रयास रेलवे की तरफ से किया जा रहा है। फिलहाल रायपुर और दुर्ग दो रेलवे स्टेशन पर इसके लिए प्लान किया जा रहा है। वहीं, रेल कोच रेस्टोरेंट के लिए जगह आईडेंटिफाई किया जा चुका है।

अमृत भारत स्टेशन के तहत बनेंगे

श्री त्रिवेदी ने बताया कि रायपुर और दुर्ग स्टेशनों को मेजर डेवलपमेंट स्कीम अमृत भारत के तहत डेवलप किया जाना है। वहीं, 15 छोटे स्टेशन हैं जिन्हें अमृत भारत स्टेशन के तहत डेवलप किया जाना है। जबकि दो मेजर डेवलपमेंट स्टेशन रायपुर और दुर्ग आते हैं। इन दोनों स्टेशनों के बाहर के सर्कुलेटिंग एरिया में रेल कोच रेस्टोरेंट खोलने का प्लान किया गया है। उन्होंने बताया कि रेस्टोरेंट की प्रक्रिया को पूरा होने में कम से कम एक से डेढ़ साल का समय लग सकता है।

परिवार के साथ ले सकते हैं आनंद

रायपुर रेलवे के सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी ने आगे बताया कि रेल कोच रेस्टोरेंट का संचालन टेंडरिंग प्रक्रिया से होगा। जिस व्यक्ति या संस्था को टेंडर मिलेगा, उसे एक कोच मुहैय्या कराया जाएगा। जो भी यह टेंडर लेगा वह कोच के अंदर छत्तीसगढ़ी व्यंजन आम जनता और रेल यात्रियों को परोसेगा। इस कोच रेस्टोरेंट में ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर जैसी सुविधाएं भी रहेंगी. यात्री अपना समय बचाने के साथ ही अपने परिवार के साथ रेल कोच में खाने का आनंद भी ले सकते है। स्टेशन में बहुत से यात्री आते हैं और उन्हें एक इंटरेस्टिंग पॉइंट की तलाश होती है, जिसकी कमी रेल कोच रेस्टोरेंट करेगा।

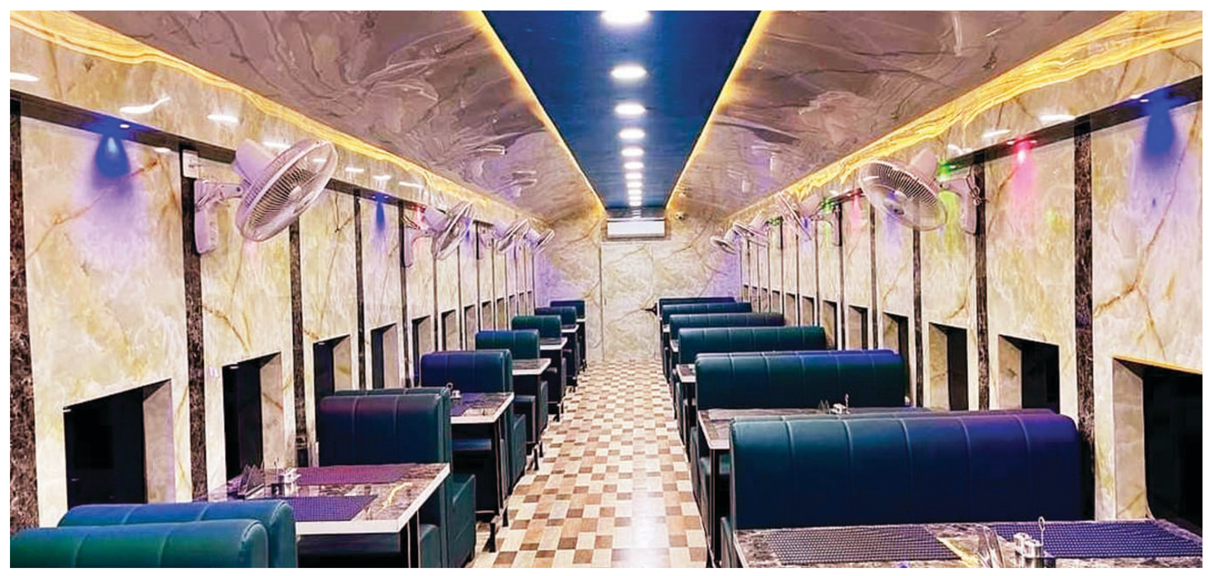

5 साल पहले बनी थी योजना

करीब 5 साल पहले रायपुर रेलवे स्टेशन में पुराने कोच को रंग-रोगन कर रेस्टोरेंट बनाने की योजना तैयार की गई थी। इसका प्रस्ताव स्टेशन के पूर्व डायरेक्टर राकेश सिंह ने तैयार कर रेल मंडल को भेजा था, लेकिन उस पर कोई फैसला नहीं हो पाया। बिलासपुर जोन में इसका शुरूआत काफी पहले ही हो चुकी है। रायपुर और दुर्ग स्टेशन में भी स्टेशन परिसर में कोच रेस्टोरेंट खुलेगा। इसका फायदा यह होगा कि स्थानीय लोगों को स्टेशन के भीतर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। माना जा रहा है कि दीगर स्टेशनों ही तरह यहां भी कोच रेस्टोरेंट के खुलने से रेलवे की गैर पारम्परिक आय में इजाफा होगा। बता दें कि छत्तीसगढ़ के 3 स्टेशनों रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग को रिडेव्हलपमेंट प्लान में शामिल किया गया है। इसके तहत इन स्टेशनों पर 1250 करोड़ रूपए खर्च होने हैं।

देशभर में सफल रहा है रेस्टोरेंट

दिल्ली रेलवे स्टेशन में इसी साल जनवरी में रेल कोच रेस्टोरेंट प्रारम्भ किया गया। इसकी सफलता के बाद देशभर के अलग-अलग रेलवे स्टेशनों में लगाकार इसकी प्लानिंग की गई। दरअसल, दिल्ली में राजधानी एक्सप्रेस के कोच को रेस्टोरेंट का लुक दिया गया था। रेलवे की इस पहल ने लोगों को खासा आकर्षिक किया। परिवार के साथ पहुंचने वाले लोगों के लिए यह रेस्टोरेंट सेल्फी पाइंट भी बन गया है। इसी से प्रेरित होकर अब अन्य स्टेशनों में भी इसके लिए पहल की जा रही है। रायपुर और दुर्ग स्टेशन का चयन इसी की एक कड़ी है।

तटरक्षक बल के हेलीकॉप्टर की अरब सागर में आपात लैंडिंग, क्रू के तीन सदस्य लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तटरक्षक बल के एक हेलीकॉप्टर की अरब सागर में आपात लैंडिंग करानी पड़ी है। इस घटना में हेलीकॉप्टर पर सवार चार लोगों में तीन लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है। वहीं क्रू के एक सदस्य को बचा लिया गया है।

भारतीय तटरक्षक बल ने एक बयान जारी कर बताया कि उनके उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) को सोमवार रात करीब 11 बजे भारतीय ध्वज वाले मोटर टैंकर हरि लीला पर सवार चालक दल के गंभीर रूप से घायल सदस्य को मदद देने के लिए समुद्र में उतारा गया था। यह कार्रवाई गुजरात के पोरबंदर तट से करीब 45 किलोमीटर दूर की गई। तटरक्षक बल ने बताया कि मोटर टैंकर हरि लीला के मालिक के अनुरोध पर यह कार्रवाई की गई थी। तटरक्षक बल के दल में चार लोग सवार थे। कथित तौर पर अभियान के दौरान हेलीकॉप्टर को अरब सागर में ही आपात लैंडिंग करनी पड़ी।

बचाव अभियान में तटरक्षक बल ने लगाए चार जहाज और दो विमान

हेलीकॉप्टर की समुद्र में आपात लैंडिंग की वजह का अभी पता नहीं चल सका है। हेलीकॉप्टर जब मोटर टैंकर के पास पहुंचने ही वाला था, उसी वक्त किन्हीं कारणों से हेलीकॉप्टर को समुद्र में उतारना पड़ा। तटरक्षक बल ने हादसे का शिकार हुए हेलीकॉप्टर के लापता जवानों की खोज के लिए चार जहाज और दो विमानों को बचाव अभियान में लगाया है।

दुष्कर्म-विरोधी विधेयक पेश, फांसी या आखिरी सांस तक उम्रकैद का प्रावधान

कोलकाता की घटना के बाद कानून को मजबूत करने की उठी है मांग

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल विधानसभा में आज यानी मंगलवार को दुष्कर्म विरोधी विधेयक पेश कर दिया गया है। इस विधेयक में दुष्कर्म और पीड़िता की मौत के दोषी व्यक्ति को फांसी की सजा देने का प्रावधान किया गया है। साथ ही इसमें दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म के दोषी को बिना जमानत के आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान भी किया गया है।

बंगाल सरकार के इस विधेयक 'अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024' का उद्देश्य दुष्कर्म और यौन अपराधों से संबंधित नए प्रावधानों को संशोधित करके महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षा को मजबूत करना है।

बीते महीने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। इस घटना को लेकर जारी हंगामा अभी तक थमा नहीं है। राज्य में महिला सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने की मांग हो रही है। ऐसे में राज्य सरकार ने सोमवार से विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाने का एलान किया था। इस विशेष सत्र में राज्य के कानून मंत्री मोलॉय घटक द्वारा मंगलवार को दुष्कर्म-विरोधी विधेयक पेश किया। वहीं विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का आरोप है कि राज्य सरकार ने विधानसभा के विशेष सत्र के लिए कोई परामर्श नहीं लिया और यह सरकार का एकतरफा फैसला है।

'भारत-सिंगापुर के संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने का सही समय', विदेश मंत्री जयशंकर का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को ब्रूनेई और सिंगापुर के दौरे पर रवाना हुए। प्रधानमंत्री की सिंगापुर यात्रा को लेकर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अब समय आ गया है, जब भारत और सिंगापुर मिलकर अपने द्विपक्षीय संबंधों को अगले स्तर पर लेकर जाएं। विदेश मंत्री ने कहा कि 'जिस तरह से दुनिया बदल रही है, ऐसे में दोनों देशों के संबंधों को और समसामयिक बनाने की जरूरत है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही सिंगापुर का दौरा करने का फैसला किया है।'

विदेश मंत्री ने सिंगापुर के मीडिया से बात करते हुए कहा कि बीते दो दशकों में भारत और सिंगापुर के संबंध काफी मजबूत हुए हैं। जिस तरह सिंगापुर को साल 1992 और 2006 में मौका मिला था, ठीक उसी तरह सिंगापुर को इस मौके का भी फायदा उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मन में हमेशा से सिंगापुर के लिए विशेष भावनाएं हैं और यही वजह है कि नेतृत्व में काफी ज्यादा जुड़ाव देखा गया है। गौरतलब है कि जयशंकर भारतीय विदेश सेवा में रहने के दौरान सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त भी रह चुके हैं।

एस जयशंकर ने कहा कि भारत और सिंगापुर भविष्य की तकनीक जैसे सेमीकंडक्टर, ग्रीन तकनीक और इलेक्ट्रिक मॉबिलिटी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा सकते हैं। साथ ही ऊर्जा और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हो सकती है।

ट्राम, मेट्रो और अब लाइट मेट्रो

श्रीकंचनपथ

दुनिया भर में शहरी आबादी तेजी से बढ़ी है। साथ ही बढ़ी है सड़कों पर गाड़ियों की रेलमपेल। सड़कों पर ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं के चलते वैकल्पिक उपायों की तलाश तेज हो गई है। दरअसल, सार्वजनिक यातायात प्रणाली को लेकर अधिकांश राज्य सरकारें उदासीन हैं। जिन शहरों के बीच ट्रेनों की कनेक्टिविटी है, वहां ट्रेनों के चलने का कोई ठिकाना नहीं। वो समय पर आएंगी या नहीं, आएंगी भी या नहीं, कोई नहीं बता सकता। लगभग यही हाल सड़क परिवहन का है। इस पर मिनी बस वालों का कब्जा है। ये बसें केवल बंद डब्बे हैं। डेढ़ सीट पर दो सवारी बैठाने से शुरू होकर यह समस्या साढ़े पांच फुट से अधिक ऊंचे कद के लोगों के लिए अच्छी खासी मुसीबत है। बैठें तो घुटने नहीं आते और खड़े हों तो गर्दन झुकाए यात्रा करनी पड़ती है। लिहाजा विद्यार्थी और नौकरीपेशा लोगों के लिए निजी वाहन का उपयोग मजबूरी है। जब देश की आबादी न के बराबर थी तब भी ब्रिटिश हुकूमत ने सड़कों पर रेल चलाई थी। 1853 में कोलकाता शहर में ट्राम की शुरुआत की गई जो आज भी एक धरोहर के रूप में जीवित है। ये सड़कों पर बिछी पटरियों पर चलती थी। कालांतर में इसी शहर में पहली अंडरग्राउंड मेट्रो रेल प्रारंभ की गई। पर यह बहुत खर्चीला है और इसे बनाने में शहर नेस्तनाबूद हो जाता है। अब केन्द्र सरकार ने लाइट मेट्रो को प्रमोट करने की योजना बनाई है। उत्तर प्रदेश सरकार गोरखपुर, प्रयागराज और मेरठ ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। लाइट मेट्रो सड़क के समानांतर फुटपाथ पर ही चलेगी। स्टेशन बस स्टैंड जैसा होगा। तीन से चार कोच होंगे जिसमें 300 यात्री सफर कर सकेंगे। सड़क पर जगह न होने पर एलिवेटेड रूट बनाया जाएगा। लाइट मेट्रो के स्टेशन साइज में काफी छोटे-छोटे होंगे। रायपुर नगर निगम ने भी इसी दिशा में एक कोशिश की है। रायपुर महापौर एजाज ढेबर ने मॉस्को में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय परिवहन शिखर सम्मेलन में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके लिए 2022 से ही प्रयास चल रहे थे। इस शिखर सम्मेलन में 150 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था जिसमें से 15 के साथ समझौता ज्ञापन हुआ। इनमें से एक रायपुर है। इस परियोजना पर 400 से 500 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। रूस में लाइट मेट्रो बैट्रियों से चलती है जिसमें आठ कोच होते हैं। केन्द्रीय रेल मंत्री के अनुसार देश की पहली बुलेट ट्रेन 2026 में दौड़ने लगेगी। इसके बाद बिहार में भी बुलेट ट्रेन चलाई जाएगी। विडम्बना यह है कि जो लोग बुलेट ट्रेन और यूपी में लाइट मेट्रो की घोषणा पर तालियां बजाते हैं उन्हें रायपुर में लाइट मेट्रो पर ऐतराज है। उन्होंने रायपुर लाइट मेट्रो के लिए महापौर को ही घेरने की कोशिश की। योजना की खिल्ली भी उड़ाई। अंततः महापौर को रूस का न्यौता, आने-जाने का टिकट और समझौता ज्ञापन को सार्वजनिक करना पड़ा।

संपादकीय

जांच की स्थायी और अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए

जनता तो चाहती है कि चाहे सरकार बनाए,पुलिस विभाग बनाए या निगम बनाए कोई भी व्यवस्था स्थायी और अच्छी होनी चाहिए ।कोई व्यवस्था अच्छी होती है लेकिन स्थायी नही होती है और कोई व्यवस्था स्थायी होती है लेकिन अच्छी नहीं होती है। अब जैसे निरीक्षण की व्यवस्था है ।हर सरकारी विभाग का निरीक्षण किया जाना चाहिए ।हर अस्पताल,हर सरकारी दफ्तर, हर सरकारी स्कूल, कालेज, विवि, हर पुलिस थाने का निरीक्षण किया जाना चाहिए,हर शहर में हर होटल,हर कैफे,हर रेस्टोरेंट की जांच होनी चाहिए। इसकी न तो स्थायी व्यवस्था होती है न ही अच्छी व्यवस्था होती है।

> हर जगह जनता की सुविधा असुविधा से जुड़ी हुई होती है ।जांच होने पर ही तो पता चलेगा कि जनता को क्या सुविधा मिल रही है, जनता को क्या असुविधा हो रही है। कहां क्या सही हो रहा है, कहा क्या गलत हो रहा है ।जनता के यह जानकर अच्छा लगता है कि कोई अधिकारी, सांसद, विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री जब कहीं निरीक्षण करने निकलते हैं। जनता तो चाहती है कि निरीक्षण का काम निरंतर होना चाहिए। ताकि हर जगह गलत काम करने वाले लोगों को यह डर रहे कि कोई भी कभी भी जांच के लिए आ सकता है। गलत काम तो हर जगह होते हैं, उसे रोका तब जा सकता है कि जब पता चले।

अधिकारी, मंत्री को पता ही नहीं है कि कहां पर क्या गलत काम हो रहा है तो वह उसे रोक कैसे सकते हैं। वीआईपी रोड़ के कुछ खास होटल ,रेस्टोरेंट, कैफे में अवैध नशे और नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिलने पर एसएसपी ड़ॉ संतोष सिंह अपनी टीम लेकर जांच के लिए निकले। पहले कुछ थानों का निरीक्षण किया, उसके बाद आधी रात वीआईपी रोड पहुंचे और एक दर्जन होटलों की जांच की ।कई होटलों में सामने का गेट बंद मिला लेकिन पीछे के रास्तों से ग्राहकों का आना जाना चल रहा था,छह स्थानों पर शराबखोरी,गुमाश्ता एक्ट उल्लंघन सहित कई तरह की गड़बड़ी पकड़ी। इसके लिए छह मैनेजरों सहित 23 कर्मियों को पकड़ा गया। कम उम्र के युवाओं को रात में बार व रेस्टोरेंट में नशाखोरी करने पाए जाने पर उनको फटकार लगाई और होटल प्रबंधन की भी क्लास लगाई गई।

एसएसपी ने 23 लोगों के खिलाफ फिलहाल तो प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और चेतावनी देकर छोड़ दिया है और समझाइश दी है कि नियमों का पालन करे तथा अवैध नशे के कारोबार से दूर रहें ।यानी पुलिस ने अभी सुधरने का मौका दिया,नहीं सुधरे को सख्त कार्रवाई की जाएगी ।एसएसपी ने कहा है कि अवैधानिक गतिविधियों को रोकना पुलिस के साथ सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है ।उन्होंने लोगों से अवैधानिक गतिविधियों की सूचना देकर सहयोग करने की अपील की है ।यह सही भी है कि शहर में अपराध रोकना तो पुलिस की जिम्मेदारी है, साथ ही यह जनता की भी तो जिम्मेदारी है कि वह अपने आसपास कहीं भी किसी तरह का अपराध हो रहा है तो उसकी सूचना पुलिस को दे। अपराध का पता चलने पर ही तो पुलिस किसी तरह की कार्रवाई करेगी। बहुत सारे लोग अपराधियों के डर के मारे पुलिस को कुछ बताने से डरते हैं। पुलिस जब तक यह डर खत्म नहीं करेगी तब तक ज्यादा लोग तो अपराध की सूचना देने से रहे।

शहर निरीक्षण का काम सिर्फ पुलिस अधिकारी ही क्यों करें। राज्य के मंत्री, विधायक, सांसद, पार्षद सभी को करना चाहिए। इससे गलत काम करने वालों को और ज्यादा डर रहेगा कि पुलिस ही नहीं,सांसद,विधायक,मंत्री तक जांच करने आ सकते हैं। सभी अपना शेडयूल बना लें कि कब कौन अचानक जांच करने जाएगा तो हर माह सभी सरकारी व निजी संस्थाओं की कई बार जांच हो जाएगी ।गलत काम करने वाले गलत काम करने से डरेंगे की पता नहीं कौन कब जांच करने आ जाए और कोई उसकी शिकायत कर दे। हर सरकारी व निजी संस्था की नियमित जांच जरूरी है। ऐसा होता नही है। जब कभीकभार ही जांच होती है तो इसका कोई असर नहीं होता है?। नियमित जांच तब ही हो सकती है जब इसके लिए हर स्तर पर अलग अलग जांच करने की स्थायी व अच्छी व्यवस्था हो और जब जांच करने जाएं तो किसी का पता न रहे कि आज कौन कहां जांच के लिए जा रहा है।

गलत काम तो होते रहते हैं, नियमित जांच न होने के कारण होते रहते हैं। जांच होने पर सिर्फ पता चलता है कि कहां कहां क्या गलत काम हो रहा है। ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार होने के कारण गलत काम को जिनको रोकना है, वही होने देते हैं, इसलिए गलत काम को रोकना एक बड़ी चुनौती है ।अफसर, सरकारें बदलती रहती हैं लेकिन गलत काम जहां होना है,वहां होता रहता है। इससे लोगों में धारणा बनी रहती है कि अपराध व गलत काम को रोकना संभव ही नहीं है, कोई भी अफसर आए, कोई भी सरकार आए यह तो होता रहेगा। जैसे रायपुर नगर निगम को मालूम है कि सड़क पर बारहों महीने आवारा मवेशियों का जमावड़ा रहता है, इससे कई तरह की परेशानी होती है। इसके लिए स्थायी व्यवस्था करने की जरूरत है लेकिन निगम अस्थायी व्यवस्था ही करता है ।कुछ दिन मवेशियों की धरपकड़ की जाती है, उसके बाद सब बंद हो जाता है। मवेशियों का जमावड़ा फिर सड़कों पर लगा रहता है,लोगों को परेशानी होती रहती है। अदालत की फटकार का भी उस पर कोई असर नहीं होता है। वह कोई स्थायी और अच्छी व्यवस्था करना नहीं चाहता है।

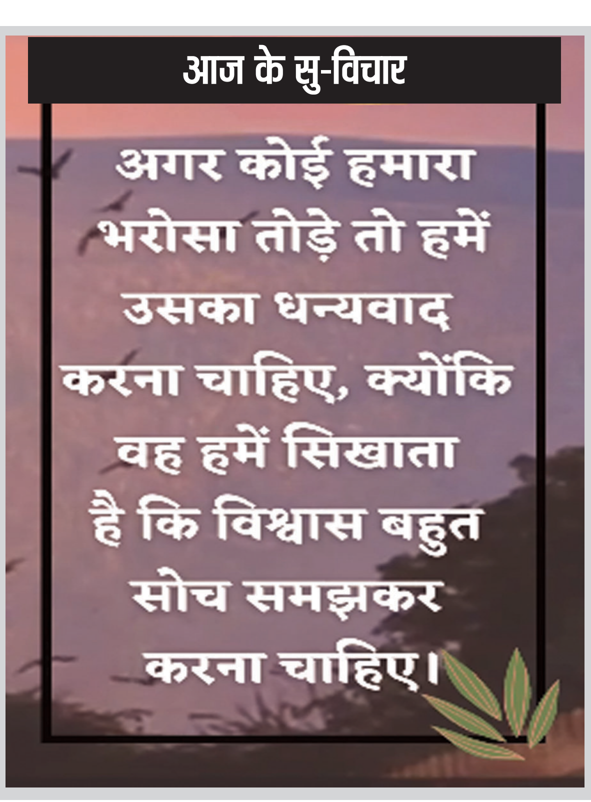

नजरिया

शिक्षक दिवस विशेष : हर सफल विद्यार्थी के पीछे, छिपा होता है एक शिक्षक

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा

शिक्षक दिवस मेरे लिए एक अवसर होता है, जब मैं खुद को एक शिक्षक होने के नाते तराजू पर तौलने का प्रयास करता हूं। वास्तव में एक अच्छे शिक्षक में कौन से गुण होने चाहिए? उन्हें मैने अपने जीवन में प्राप्त किए हैं या नहीं? यह एक बड़ा सवाल प्रतिवर्ष 05 सितंबर को मुझे आत्मावलोकन के लिए प्रेरणा प्रदान कर रहा होता है! आज विचार कर रहा हूं तो मन में अच्छे शिक्षक की विशेषताऐं कौंधने लगी हैं। एक अच्छा शिक्षक बनने के लिए यह जरूरी है कि अपने द्वारा पढ़ाए जाने वाले विषय में महारत हासिल हो। इसके अलावा शिक्षार्थी का मनोविज्ञान समझना, उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि को समझकर उसे बड़े स्नेह से शिक्षा की ओर अग्रसर करते रहना भी शिक्षक का परम कर्तव्य होना चाहिए। सारे बच्चों को बिना भेदभाव के शिक्षा प्रदान करना भी एक शिक्षक का विशेष गुण होना चाहिए। हमारा समाज इस बात को भलीभांति जानता है कि शिक्षक ही बच्चों को हर परिस्थिति का ज्ञान प्रदान करते हैं। उन्हें शारीरिक, व्यक्तित्व,और मानसिक, शक्ति के साथ जीवनशैली को बेहतर और प्रगाढ़ बनाने का कौशल भी एक शिक्षक ही सिखाया करता है! एक शिक्षक के कुशल मार्गदर्शन में ही बच्चे अपने भविष्य में आने वाली अच्छी या बुरी परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार हो पाते हैं। शिक्षकों के साथ ही शिक्षा के महत्व को उजागर करते हुए लिखा गया है:-

येषाम न विद्या, न तपो न दानम,
ज्ञानम न शीलम, न गुणों न धर्मः,
ते मर्त्यालोके भूर्विभारभुता, मनुष्य
रूपेण मृगाश्चरांति।

अर्थात जिन लोगों के पास न तो विद्या है, न तप, न दान, न शील, न गुण और न ही धर्म वे लोग पृथ्वी पर भार हैं और मनुष्य के रूप में जानवर की तरह घूमते रहते हैं! इस दुनिया में शिक्षक ही वह ज्ञान का पुंज रखता है, जो एक विद्यार्थी को डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, वकील और कुशल व्यापारी बना सकता है। पूर्ण रूप से शिक्षा प्राप्त युवक ही किसी भी कार्य को सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कर सकता है। इसलिए कहा जाता है कि एक कुशल व्यक्ति के पीछे एक ज्ञानवान शिक्षक छिपा होता है। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि मेधावी शिष्य के प्रति गुरु का लगाव सहज ही स्थापित हो जाता है। इसे हम अर्जुन और गुरु द्रोणाचार्य के संदर्भ में समझ सकते हैं। शिक्षक पारंपरिक, गैर-पारंपरिक, आध्यात्मिक अथवा उस प्राकृतिक या कृत्रिम स्त्रोत की तरह माने जाते हैं जो स्वयं प्रकाशित होकर अंधेरे में उजास भरने और अंधकार को दूर कर राह दिखाने का काम करते हैं। हम यदि अपने हृदय में शिक्षकों के लिए पूर्ण सम्मान का आदर रखते हैं तो हमें हमारे शिक्षक साक्षात मां शारदा का स्वरूप लिए दिखाई पड़ते हैं। शिक्षक हमारे अनेक प्रकार के भय को दूर कर जीवन को भयमुक्त और जीवन से परे ले जाकर अदभुत सुख - शांति प्रदान करने वाले मार्ग का निर्धारण कर दिखाते हैं। शिक्षक द्वारा प्रदान की गई शिक्षा को हम सबसे शक्तिशाली हथियार मान सकते हैं। कारण यह कि इसी के दम पर हम दुनिया को बदलने की शक्ति अपने अंदर समाहित कर पाते हैं।

एक शिक्षार्थी को यह गूढ़ रहस्य सदैव अपने मस्तिष्क में संजो कर रखना चाहिए कि वह तभी तक जीवन की हर शिक्षा ग्रहण कर सकता है जब तक खुद को एक छात्र की श्रेणी में रखता है। कारण यह कि कुछ भी सीखने के लिए नम्रता का गुण होना जरूरी है। इस बात को भी ध्यान में रखना चाहिए कि जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए, उस दिन यह यकीन कर लेना चाहिए कि हम गलत मार्ग पर जा रहे हैं। किसी शिक्षक द्वारा कही गई यह बातें सिद्ध करती हैं कि समस्या का मार्ग कठिनाई भरे रास्तों से होकर ही गुजरा करता है! कभी किसी समस्या को अपनी असफलता मानते हुए खुद पर भारी न पड़ने दें । हमारे जीवन में एक शिक्षक की नितांत आवश्यकता हमेशा महसूस की जानी चाहिए। यही सोच हमें बोलने, खाने, पहनने, चलने, आचरण करने आदि का व्यवहार सिखाती है। शिक्षक हमारे जीवन में हमारे लिए केवल डिग्रियों की फाइलें सजाने के लिए नहीं वरन परहितकारी प्राणों में हमारे जीवन को तराशने का मार्ग होते हैं। शिक्षक ही हमें यह ज्ञान प्रदान करते हैं कि हम मानवीय जीवन में ऐसा कोई काम न करें जिससे अन्य लोगों को कष्ट उठाना पड़े। शिक्षकों में वह शक्ति निहित होती है, वह अग्नि प्रज्ज्वलित दिखाई देती है जो अपने शिक्षार्थी सहित अन्य लोगों के बंद दिमाग के दरवाजे और खिड़कियों को खोलकर उसमें नई ऊर्जा, नई रोशनी का संचार कर दिखाती है!

जहां हम शिक्षक और शिक्षार्थी की बात करते हैं और शिक्षार्थी में सहिष्णु होने सहित नमनीय होने के गुण की कल्पना करते हैं, वहीं एक शिक्षक से भी कुछ उम्मीदें करना गलत नहीं कहा जा सकता हैं। इस संदर्भ में एक शिक्षक को कुंठित मानसिकता से दूर होना चाहिए। अच्छा आचार-विचार, ज्ञान-उदारता, धैर्य, समझने की क्षमता, व्यवहारिकता, सहयोग की भावना जैसे गुण एक शिक्षक की अंतरात्मा में समाए होने चाहिए। यही शिक्षक मानवीय समाज के ऐसे चितेरों का प्रतिरूप होते हैं, जो शिक्षार्थियों को सीखने और समझने की क्षमता प्रदान करते हैं। जब एक शिक्षार्थी पढ़ता और सीखता है तब वह अधिक जानकर बनता है। शिक्षक ही अपने विद्यार्थी लिए नए अवसरों के दरवाजे खोलते हैं। इस संबंध में एक गुरु-शिष्य का संक्षिप्त ज्ञान समझा जा सकता है। एक बार एक शिष्य ने अपने शिक्षक से पूछा-गुरुजी हमारे जीवन में शिक्षक का होना क्यों जरूरी है? उस गुरु ने कहा-इसे तुम एक दिन खुद ही समझ जाओगे! बातचीत के कुछ दिन बाद उसी गुरु ने शिष्य को एक पुस्तक दी और कहा इसे कमरे में रख आओ। शिष्य जिस कमरे में पुस्तक को रखने गया वहां रोशनी नहीं थी। उसके पैरों में कुछ महसूस हुआ और वह बाहर चला आया। उसने गुरु से कहा-वहां सांप है! अब गुरु ने उसे एक दीपक के साथ वहां जाने को कहा। शिष्य कमरे में पहुंचा तो देखा कि उसके पैर में आने वाली चीज सांप नहीं वरन रस्सी थी। तब गुरु ने उसे बताया- यह संसार भी एक अंधेरे कमरे की तरह ही है। यदि हमारे पास ज्ञान का प्रकाश नहीं होगा तो हम रस्सी को सांप मानकर इसी तरह पथ से भटकते रहेंगे!

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बिना संस्कार नहीं सहकार, बिना सहकार नहीं उद्धार

केदार कश्यप
(सहकारिता मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन)

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, इसलिए सहकार तो उसके मूल्य में है लेकिन जब आर्थिक गतिविधियों की बात होती है तब मनुष्य स्वार्थी हो जाता है। जिनके पास पूंजी है वह तो पूंजी से पूंजी कमाकर आर्थिक दृष्टि से सक्षम हो जाता है किंतु जिसके पास पूंजी नहीं है वह क्या करे? ऐसे में सहकार से उद्धार का भाव ही सही प्रतीत होता है। छत्तीसगढ़ के बारे में कहा जाता है, इस अमीर धरती पर गरीब लोग रहते हैं। यह बात सही नहीं है, इस प्रदेश के लोग ऋषि और कृषि संस्कृति को मानने वाले हैं, प्रकृतिवादी हैं इसलिए जो प्रकृति से जीवनयापन के लिए मिल जाए संतुष्ट हो जाते हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के पीछे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई का सपना था कि यह क्षेत्र आर्थिक दृष्टि से भी प्रगति करे। राज्य में 15 साल की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने चहुंओर विकास की यात्रा प्रारंभ की थी, जिसे विष्णुदेव साय की सरकार आगे बढ़ा रही है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में स्थापित करना है। ऐसे में छत्तीसगढ़ राज्य उस महान यात्रा में कैसे पीछे रह सकती है। हाल में प्रदेश में सहकारिता को आधार बनाकर विकास की गति को बढ़ाने के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बैठक कर एक कार्ययोजना बनाई है।

छत्तीसगढ़ में 70 प्रतिशत लोग कृषि और वनों से अपनी आजीविका प्राप्त करते हैं। प्रदेश में किसानों की संख्या का 70 प्रतिशत सीमांत और छोटे किसान हैं जिनके पास औसत एक एकड़ की खेतिहर भूमि है। इसलिए केवल खेती करके किसान अपनी आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव नहीं ला सकता। भाजपा की सरकार में किसानों को सहकारी बैंकों के माध्यम से शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण की सुविधा दी है। धान के उत्पादन को न्यूनतन समर्थन मूल्य पर सहकारी समितियों ''पैक्स'' के माध्यम से खरीद रही है। दुग्ध और मत्स्य पालन के क्षेत्र में भी सहकारिता के जरिए किसानों और गरीबों की आर्थिक समृद्धि के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन अब सहकारिता के माध्यम से मैदानी क्षेत्र के साथ वन क्षेत्र में रहने वाले अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को भी सहकारिता से जोड़कर उनको आर्थिक रूप से सक्षम बनाने की कार्ययोजना बनाई जा रही है।

अभी प्रदेश में कुल 2058 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां पैक्स कार्यरत हैं, अब प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर बहुआयामी पैक्स / दुग्ध/ मत्स्य सहकारी समिति का गठन दो वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। भारत सरकार की जनजाति कल्याण विभाग के साथ समन्वय करते हुये राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और छत्तीसगढ सरकार के साथ एमओयू किया जाएगा जिसके बाद प्रदेशवासी विशेषकर अनुसूचित जनजाति के लोगों को दुग्ध सहकारिता से जोड़ने की पहल की जा रही है। उनकी आर्थिक समृद्धि के लिये दुधारु पशु यथा- गाय/भैंस पालन के लिए उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाएगा। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी, ताकि आगामी पांच वर्षों में दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से लाभ अर्जित कर आठ से दस पशुधन के मालिक बन सके एवं उस परिवार को आजीवन इसका लाभ मिलता रहे। इस प्रकार प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी, इस दूध को सहकारी संघ के माध्यम से दुग्ध के विभिन्न उत्पादों का निर्माण किया जा सकेगा। गुजरात में 1960 के दशक में अमूल नामक एक सहकारी आंदोलन छोटे से गांव आणंद में शुरू हुआ, आज वह आंदोलन दुग्ध उत्पाद में वैश्विक ब्रांड बन गया है जिसका वार्षिक टर्नओवर 60 हजार करोड़ रुपए को पार कर गया है। छत्तीसगढ़ में इसी मॉडल पर काम शुरू किया जायेगा। कृषकों द्वारा उत्पादित दुग्ध के लिये पर्याप्त प्रशीतक केन्द्र एवं प्रक्रिया इकाईयां स्थापित की जाएंगी।

सहकारिता के माध्यम से अर्थव्यवस्था के विकास तथा इसका लाभ आमजन तक पंहुचाने कृषि, पशुपालन, मत्स्य, जनजाति विभाग के परस्पर समन्वय हेतु संबंधित विभाग के मंत्रियों तथा सचिवों की पृथक कमेटी बनाई जाएगी। प्रदेश में वर्तमान में केवल छः जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक संचालित हैं, सहकारिता के विस्तार और पैक्स की संख्या सभी जिलों तक बढ़ेगी तब जिला सहकारी बैंकों की संख्या भी बढ़ानी होगी। इसके साथ ही सहकारी बैंकों को तकनीकी दृष्टि से सक्षम बनाया जायेगा। राज्य के सभी 6 जिला सहकारी केन्द्रीय बैंको की संबद्धता सीजीटीएमएसई से सुनिश्चित करते हुये इंटरनेट बैंकिग सहित ई-बैंकिग सुविधाओं तथा आधार इनेब्लड पेमेंट सिस्टम सुनिश्चित किए जाएंगे। सहकारिता के अन्य आयामों जैसे जैविक कृषि, बीज उत्पादन, मत्स्य आदि को मजबूत कर छत्तीसगढ़ में सहकारिता आंदोलन को गति दी जाएगी। छत्तीसगढ़ वन, खनिज, भूमि संसाधन के साथ परिश्रमी जनसंसाधन भी है। सहकार की भावना से जब कार्य प्रारंभ होंगे तभी जनता का आर्थिक उद्धार का मार्ग प्रशस्त होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

भाजपा के अंदर असंतोष उबाल

मोदी-शाह की जोड़ी बाहरी नेताओं से भाजपा को भरती चली गई है। इसको लेकर पहले भी भाजपा के अंदर असंतोष उबलता होगा। मगर मोदी-शाह को किसी ने कदम वापस पर लेने पर मजबूर किया हो, इसकी मिसाल कम ही होगी। नरेंद्र मोदी- अमित शाह के दौर में यह भारतीय जनता पार्टी के लिए नया अनुभव है। पहले कई नीतिगत मामलों में केंद्र को अपने निर्णय एवं इरादे से पीछे हटना पड़ा और अब ऐसा पार्टी के अंदर होना शुरू हो गया है। इस पूरे संदर्भ को ध्यान में रखें, तो जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की जारी पहली लिस्ट का वापस लिया जाना महत्त्वपूर्ण घटना बन जाता है। यहां प्रत्याशी सूची में कोई इक्का-दुक्का परिवर्तन नहीं हुआ। ना ही ऐसा नेतृत्व ने अपने आकलन के आधार पर ये कदम उठाया। 44 सदस्यों की जारी लिस्ट को कुछ देर में ही इसलिए वापस लेना पड़ा, क्योंकि जम्मू इलाके के भाजपा नेताओं/ कार्यकर्ताओं में उसको लेकर गुस्सा फूट पड़ा। प्रमुख शिकायत यह थी कि पार्टी में जीवन खपा देने वाले नेताओं की उपेक्षा करते हुए कुछ समय पहले ही दूसरे दलों से आए नेताओं को प्रत्याशी बनाया गया है। लेकिन मोदी-शाह के युग में इस तरह टिकट देना कोई नई बात नहीं है।

चुनाव जीतने की क्षमता को प्रमुख प्राथमिकता बना कर यह जोड़ी विभिन्न राज्यों में बाहरी नेताओं से भाजपा को भरती चली गई है। स्पष्टतः इसको लेकर भाजपा के अंदर असंतोष उबाल लेता होगा। मगर मोदी-शाह को पार्टी के किसी खेमे ने कदम वापस पर लेने पर मजबूर किया हो, इसकी मिसाल कम ही होगी। इस दौर की आम समझ यह रही है कि गुजरात से उभरते हुए इन दोनों नेताओं ने पहले भाजपा, और फिर देश की राज्य-व्यवस्था पर अपना वर्चस्व बना लिया। संभवतः इसमें वे इसलिए कामयाब रहे, क्योंकि उनकी पीठ पर अति प्रभावशाली हितों ने दांव लगा रखा है। लेकिन 2024 के आम चुनाव में लगे झटकों के बाद समीकरण बदलने के संकेत हैं। जिस तरह पार्टी ने सांसद कंगना राणावत के किसान विरोधी बयानों से किनारा किया है, वह भी एक नई प्रवृत्ति का संकेत है। यह सारा घटनाक्रम भारत के राजनीतिक परिदृश्य में युग परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू होने का संकेत देता है। इससे फिर पुष्टि हो रही है कि लोकतंत्र में जो वोट खींचने में जितना सक्षम हो, उसी अनुपात में उसका सिक्का चलता है। **(आरएनएस)**

आधी रात को केक काटने का चलनः जश्न या दिखावा?...

अतुल मलिकराम

कुछ दिनों पहले ही मेरा जन्मदिन बीता, रात के 12 बजते ही अचानक से फोन बज उठा। जन्मदिन की बधाई देने के लिए परिचितों के फोन और मैसेज की जैसे कतार सी लग गई, ऐसा लग रहा था मानों रात के 12 बजे का समय एकदम से विशेष बन गया हो। घर में भी हर कोई जाग रहा था, मेरी बिटियाँ हाथ में केक और चेहरे पर चिरपरिचित मुस्कान लिए मेरे पास आई। सभी की ख़ुशी का ध्यान रखते हुए रात में ही केक काटा गया और जन्मदिन मनाया गया। जन्मदिन तो ख़ुशी-ख़ुशी मन गया लेकिन मेरे मन में एक सवाल छोड़ गया कि बचपन में तो हम रात में केक नहीं काटा करते थे तो फिर यह रात में केक काटने का चलन आखिर क्यों चल पड़ा है और इसके पीछे क्या कारण है? मुझे आज भी याद है बचपन में जन्मदिन का आगाज़ सूरज की पहली किरण के साथ होता था। सुबह उठते ही सबसे पहले नहाना, फिर पूजा करना, और उसके बाद बड़ों का आशीर्वाद और सबकी बधाइयां लेना। यही हमारे लिए जन्मदिन होता था। लेकिन आजकल जन्मदिन की शुरुआत आधी रात में केक काटकर होने लगी है। सिर्फ जन्मदिन ही क्यों आजकल तो यह चलन ख़ुशी के हर मौके पर ही देखनें को मिलने लगा है। यह केवल युवा पीढ़ी तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि बड़ों-बच्चों, सभी के जन्मदिन या विवाह की सालगिरह पर रात में केक काटा जाने लगा है। यह चलन इस कदर हमारी संस्कृति में हावी हो चुका है कि देवी-देवताओं की जयंती पर केक काटे जा रहे हैं। क्या यह सही है, या फिर हम पाश्चात्य संस्कृति की अंधी नकल में फंसते जा रहे हैं!

इस बदलाव के पीछे एक बड़ी वजह है—हमारी तेजी से बदलती जीवनशैली, जो मुख्य रूप से वैश्वीकरण, आधुनिकता, और सोशल मीडिया से प्रभावित हो रही है। हम आजकल हर चीज़ को ग्लैमरस बनाना चाहते हैं। जन्मदिन हो या कोई भी खुशी का मौका, उसे यादगार बनाने के लिए हम हर संभव कोशिश करते हैं। और इसमें पाश्चात्य संस्कृति की चमक-धमक हमें सबसे ज्यादा आकर्षित कर रही है। ऊपर से आजकल सोशल मीडिया पर दिखावा करने की होड़ सी लगी हुई है, जहाँ कोई भी नया ट्रेंड चला, तो हमें भी उसकी नक़ल करना जरुरी हो गया है। वरना हमें पुरानी सोच का माना जाएगा। और पुरानी सोच का माना जाना हमें गंवारा नहीं होगा इसलिए हम भेड़चाल में चलने के आदि हो गये हैं। इसके अलावा, ऑनलाइन डिलीवरी सर्विसेज ने इस कल्चर को और भी बढ़ावा दिया है। अब आप आधी रात को भी अपने दरवाजे पर केक मंगवा सकते हैं, जिससे आधी रात में केक कटिंग का यह रिवाज और भी ज्यादा देखने को मिल रहा है।

रात में केक कटिंग का बढ़ता चलन इस बात का प्रतीक है कि हम आधुनिकता की आड़ में कहीं न कहीं अपनी सांस्कृतिक जड़ों से दूर होते जा रहे हैं। ज़रूरी नहीं कि हर नया ट्रेंड सही हो और उसे अपनाया ही जाए, साथ ही यह भी सही नहीं है कि अपनी परंपराओं को छोड़ दिया जाए। हमारी संस्कृति की गहराई को समझते हुए हमें यह तय करना होगा कि हमें कौन नया ट्रेंड अपनाना चाहिए और कौन सा नहीं। या किसी ट्रेंड को अपनाने के पीछे कोई सार्थक कारण है या नहीं, इस पर भी विचार करना चाहिए । मैं आधुनिकता या पाश्चात्य संस्कृति का विरोधी नहीं हूँ। लेकिन बिना दिमाग लगाए नकलबाजी और दिखावा, मेरी समझ से परे है। इससे बेहतर है कि हम अपनी पुरानी परंपराओं को नए तरीके से अपनाएं, जिससे परंपराओं और आधुनिकता दोनों की अहमियत बनी रहे।

रात में केक काटने और दिखावा करने के बजाय, जन्मदिन का उत्सव अपनी संस्कृति को ध्यान में रखते हुए भी तो मनाया जा सकता है। जैसे देर रात को जन्मदिन मनाने की जगह जन्मदिन पर सुबह जल्दी उठा जाए। अंग्रेजी में 'हैप्पी बर्थडे' गाने के बजाय इसे हिंदी या संस्कृत में गाया जाए। मोमबत्तियां बुझाने की जगह जन्मदिन की शुरुआत पांच दीये जलाकर की जाए। शोर-गुल वाली पार्टियों की जगह कोई धार्मिक कार्यक्रम किया जाए जो मन को शांति और आनंद दे।

यह केवल बोलने की बातें नहीं हैं बल्कि इन सुझावों का अनुसरण मैंने अपने जीवन में भी किया है। इस बार का मेरा जन्मदिन मेरे दिए गये सुझावों की तरह ही मनाया गया।और सच मानिए पारंपरिक तरह से मनाए गये जन्मदिन में जो आनंद और ख़ुशी हुई, वो शोर गुल वाली पार्टियों में कहाँ... अगली बार जब किसी का बर्थडे हो, तो सोचिएगा कि क्या यह ज़रूरी है कि रात के 12 बजे केक काटा जाए? या फिर हम अपनी पुरानी परंपराओं के साथ नए अंदाज में भी खुशियां मना सकते हैं? किसी भी बदलाव को समझदारी से अपनाना चाहिए। बिना सोचे-समझे किसी भी ट्रेंड को अपनाने से बेहतर है कि हम अपनी सोच को बेहतर बनाएं और सही निर्णय लें। यही हमें एक समझदार और संवेदनशील समाज की ओर ले जाएगा, जहां आधुनिकता और परंपरा का मेल हमें अपनी पहचान से जोड़े रखेगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

खास खबर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कार्यालय का संचालन अब हिन्दी भवन में

दुर्ग। संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर ने आज दुर्ग स्थित हिन्दी भवन (पूर्व न्यायालय आयुक्त दुर्ग संभाग) में नवनिर्मित अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कार्यालय भवन का उद्घाटन किया गया। पूर्व में यह तहसील कार्यालय दुर्ग के भवन में संचालित किया जा रहा था। उद्घाटन समारोह कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर एडीएम अरविंद एक्का, सहायक कलेक्टर एम.भार्गव, एसडीएम दुर्ग हरवंश सिंह मिरी एवं राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

पंजीयन नवीनीकरण हेतु 31 दिसम्बर तक करे आवेदन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के गठन से आज दिनांक तक ऐसे पंजीकृत श्रमिक जिनके पंजीयन की वैधता समाप्त हुए एक वर्ष या उससे अधिक का समय हो चुका है तथा उनके द्वारा पंजीयन नवीनीकरण हेतु आज दिनांक तक आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया है, ऐसे निर्माण श्रमिकों को 31 दिसम्बर 2024 तक पंजीयन/नवीनीकरण आवेदन सकते हैं। 31 दिसम्बर 2024 के पश्चात् ऐसे अनवीनीकृत पंजीयन को अपंजीकृत माना जाएगा। अधिक जानकारी हेतु मुख्यमंत्री श्रमिक सहायता केन्द्र 0771-3505050 में संपर्क कर सकते हैं।

मरीज को जसप्रीत सिंह ने दिया बी निगेटिव दो यूनिट ब्लड

दुर्ग। जिला चिकित्सालय दुर्ग में 2 सितम्बर 2024 को डिलीवरी वार्ड में भर्ती मरीज श्रीमती तनुजा वर्मा उम्र 31वर्ष (पति संजू वर्मा) मरीज को बी निगेटिव दो यूनिट ब्लड की आवश्यकता थी, डोनर नहीं मिलने पर, ब्लड बैंक नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण अग्रवाल के निर्देश पर चिखली निवासी जसप्रीत सिंह ने आकर बी निगेटिव ब्लड मरीज को दिया, यह उनके द्वारा तीसरी बार रक्तदान किया गया। रक्तदान के समय ब्लड बैंक के नर्सिंग आफिसर सती गुप्ता, काउंसलर टीएस एंथोनी, ब्लड बैंक टेक्नोलॉजीस्ट रोशन सिंह, टेक्निशियन तरन्नुम, निगार, सूरज, मिनाक्षी, कौशल, हिमांशु, माला प्रशिक्षणार्थी प्राची, नेहा, भारती, ज्योति, गोवर्धन, डेमन एवं रेडक्रॉस सोसाइटी के प्रबंध कारिणी सदस्य और जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर, जीवन दीप समीति के सदस्य प्रशांत डोंगावकर, सतीश सुराना की उल्लेखनीय भूमिका और सकारात्मक सहयोग रहा। सभी ने रक्तदाताओं को साधुवाद देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

महतारी वंदन की 7वीं किस्त - विधायक गजेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए शुरू की गई 'महतारी वंदन योजना' की सातवीं किस्त विष्णुदेव सरकार ने जारी कर दी है। महिलाओं के खाते में डिबीटी के माध्यम खाते में 1-1 हजार रूपए भेजा गया है। विधायक गजेंद्र यादव ने कहा की मोदी की गारंटी और विष्णुदेव के सुशासन से जनता की गारंटी पूरी हो रही है। महतारी वंदन योजना से लाभान्वित महिलाओं की खुशी ही हमारा संतोष है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत मिल चुकी सात किश्त की राशि के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और सभी केबिनेट मंत्री का आभार जताया है। विधायक गजेंद्र यादव ने कहा की महिलाओ का सम्मान भाजपा ने ही किया है जन धन खाता हो, उज्जवला योजना से सिलेंडर, महिला के नाम राशनकार्ड और महतारी योजना सभी जगह महिलाओ को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने मोदी सरकार ने चिंता की है। हर महीने खाते में 1000? आने से महिलाओ को अब छोटी छोटी जरूरत के लिए पैसे मिल जा रहे है। राज्य के चहुमुखी विकास के लिए तत्पर भाजपा सरकार सभी क्षेत्रों में काम कर रही है। मार्च से शुरू हुई योजना के तहत 7 किस्तें सरकार द्वारा बैंक खाते में हस्तांतरित की जा चुकी है। तीजा-पोरा तिहार के उपलक्ष्य में आज महतारी वंदन योजना की 7वीं किस्त जारी कर दी गई है। प्रदेश की 70 लाख से अधिक माता-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। विधायक श्री यादव ने कृषकों के साथी नांदिया बईला और धरती माता की उपासना के लोकपर्व पोरा तिहार की शुभकामनाएँ दी है।

अपर कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें

जनदर्शन में आज 103 आवेदन प्राप्त हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश पर अपर कलेक्टर बजरंग दुबे ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में आज 103 आवेदन प्राप्त हुए।

दुर्ग ग्रामीण के किसानों ने भारतमाला परियोजना के अंतर्गत मुआवजा राशि प्रदान करने आवेदन दिया। ग्राम पंचायत बोरीगारका (करगाडीह) में स्थित भूमि स्वामित्व को भारतमाला परियोजना अंतर्गत प्रभावित भूमि स्वामियों का नाम अवार्ड सूची में सम्मिलित करने एवं मुआवजा राशि प्रदान की मांग की। इस पर अपर कलेक्टर ने जानकारी दी कि प्रभावित भूमि स्वामियों का नाम अवार्ड सूची में सम्मिलित कर लिया गया है, जल्द ही मुआवजा राशि प्रदान की जाएगी।

ग्राम बोरसी निवासियों ने वार्ड नम्बर-52 में विद्युत पोल लगवाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि अस्थायी रूप से दूर स्थित पोल से विद्युत कनेक्शन कर जीवनयापन किया जा रहा है। वार्ड में कोई विद्युत पोल नही होने के कारण स्थायी कनेक्शन नही मिल पा रहा है।

वार्ड में कच्चे एवं पक्के दोनों मकान हैं। रात में वार्ड में अंधेरा हो जाने के कारण वार्डवासियों को आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस पर अपर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा।

शासकीय हाई स्कूल केम्प-02 भिलाई, शासकीय हाई स्कूल नवीन प्रा.शाला केम्प-02 एवं बाल मंदिर केम्प-02 भिलाई के तीनों स्कूल परिसरों में व्यापारियों एवं रहवासियों द्वारा अतिक्रमण किए जाने की शिकायत की। इस पर अपर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

पार्षद ने वार्ड नम्बर-33 संतोषी पारा केम्प 2 भिलाई में स्थित उपस्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टर पदस्थ कराने की मांग की। विगत एक वर्ष पूर्व उपस्वास्थ्य केन्द्र में उपस्थित डॉक्टर का स्थानांतरण हो जाने के कारण उक्त स्थान पर किसी अन्य डॉक्टर को पदस्थ नही करने के कारण वार्डवासियों एवं गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण व अन्य उपचारों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उप स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों का आना-जाना हमेशा लगा होता है। इस पर अपर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

जनदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना, आर्थिक सहायता, अनुकंपा नियुक्ति, सड़क मरम्मत, राशन कार्ड, अवैध कब्जा सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। इन सभी आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

वित्त एवं लेखा विभाग में राजभाषा कार्यशाला एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के वित्त एवं लेखा विभाग के सभागार में राजभाषा कार्यशाला एवं विभागीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक डॉ अशोक कुमार पण्डा, विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबंधक देबेन्द्र नाथ करन एवं मुख्य महाप्रबंधक प्रमोद कुमार चोखानी थे।

मुख्य अतिथि डॉ अशोक कुमार पण्डा ने कहा कि भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों का अनुपालन करने के लिए वित्त एवं लेखा विभाग पूर्णतः प्रतिबद्ध है। विभाग में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिये कार्यशालाओं एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन किया जाता है। हिंदी के प्रगामी प्रयोग के प्रोत्साहन के लिए विभाग सतत प्रयासरत है। विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबंधक देबेन्द्र नाथ करन ने कहा कि हिंदी में कार्यालयीन कार्य करना गर्व की अनुभूति देता है, हम हिंदी में शत-प्रतिशत कार्यालयीन कार्य सुनिश्चित करने विभागीय स्तर पर विभिन्न कार्यों में हिंदी की अनिवार्यता लागू कर रहे हैं तथा प्रतियोगिताएँ आयोजित कर रहे हैं। मुख्य महाप्रबंधक प्रमोद कुमार चोखानी ने कहा कि हिंदी को प्रोत्साहन तथा कार्यालयीन कामकाज में हिंदी का प्रयोग हमारा राष्ट्रीय दायित्व है, इसके लिए वित्त एवं लेखा विभाग में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में उप महाप्रबंधकगण अमृता गंगराडे, रितेश जैन, अरुण कुमार बंसल, सहायक महाप्रबंधकगण अविलाष प्रसाद पंसारी, प्रतीक देशलहरा, निलेश कुमार शुक्ला, वरिष्ठ प्रबंधक, आनंद कुमार तिवारी, उप प्रबंधक नेहा रानी तथा आयुशी पुरोहित, प्रबंधक प्रशिक्षु, पूजा सिंह, अनुभाग अधिकारीगण सुनील कुमार शर्मा तथा बिन्दु एस प्रकाश, वरिष्ठ सहायक सुश्री अनुसूइया जांगड़े, जूनियर स्टॉफ असिस्टेंट, शिखा दीक्षित, जेएएस दीपिका वर्मा, वरिष्ठ सहायक पी केशव राव तथा अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

पॉवर जोन के कार्मिकों हेतु तनाव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपने कर्मठ कार्मिकों के समर्पित योगदान से उत्पादन एवं उत्पादकता के कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इस्पात उत्पादन के साथ ही कार्मिकों के बेहतर स्वास्थ्य और जीवनशैली के लिए नवीन कार्य करने की दिशा में भिलाई इस्पात संयंत्र का मानव संसाधन विभाग सतत प्रयासरत रहता है। इसी कड़ी में शक्ति एवं विद्युत विभाग द्वारा पॉवर जोन के कार्मिकों के लिए तनाव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में तनाव प्रबंधन, इसके लक्षण तथा निवारण पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

इस कार्यशाला में वरिष्ठ प्रबंधक (एनओएचसी) डॉ गणेश मंथापुरवार ने तनाव प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण जानकारी बहुत ही सरल एवं सहज रूप में प्रदान की। कार्यशाला में उपस्थित कार्मिकों द्वारा पूछे गए प्रष्नों का समाधान भी डॉ गणेश ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक (पीईएम) पी एस खोब्रागडे ने की। वर्तमान समय की व्यस्ततापूर्ण जीवनशैली में तनाव हमें मानसिक रूप से प्रभावित करने के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालता है जिससे अनेक तरह की स्वास्थ्य संबंधी बीमारियाँ होने की संभावना रहती हैं।

कार्यक्रम का संचालन मानव संसाधन विभाग के उप प्रबंधक गिरीश कुमार मढ़रिया ने किया। कार्यशाला के अंत में महाप्रबंधक (पीईएम) राहुल निगम तथा महाप्रबंधक (पीबीएस) संजय अग्रवाल ने डॉ गणेश मंथापुरवार को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

बीएसपी में विशेष बुनियादी नागरिक सुरक्षा कार्यशाला हम भी हैं तैयार का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नागरिक सुरक्षा संगठन-छत्तीसगढ़ (भारत सरकारदृगृह मंत्रालय से संबद्ध), ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा कोक ओवन विभाग के कार्मिकों की पत्नियों/ गृहिणियों के लिये ''हम भी हैं तैयार'' एक दिवसीय विशेष बुनियादी नागरिक सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन 30 अगस्त 2024, मानव संसाधन विकास केंद्र में किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 34 महिलाएं उपस्थित रहीं।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक तरुण कनरार उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक निशा सोनी उपस्थित थीं। कार्यक्रम के समापन समारोह में महाप्रबंधक प्रभारी संजय कुमार अग्रवाल व महाप्रबंधक समीर राय चैधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अपने व्यक्तव्य में मुख्य अतिथि तरुण कनरार ने कहा कि सेल की सबसे बड़ी इकाई भिलाई इस्पात संयंत्र के उत्पादन व सुरक्षा में कर्मियों के साथ-साथ उनकी गृहणियों का योगदान भी महत्वपूर्ण होता है। भिलाई इस्पात संयंत्र अनेक बार लाभ व हानि के दौर से गुजरा है, ऐसी स्थिति में भी हमारे कार्मिकों का हित ही हमारी प्राथमिकता रही है।

वर्तमान में बायोमेट्रिक उपस्थिति में भी आपके योगदान से ही कार्मिक समय पर कार्यस्थल पर उपस्थित हो पा रहे हैं। नागरिक सुरक्षा प्रत्येक स्थान पर विपरीत परिस्थितियों में गृहिणियों को सक्षम बनाने का कार्य कर रहा है।

विशिष्ट अतिथि श्रीमति निशा सोनी ने अपने स्वागत उद्बोधन में नागरिक सुरक्षा संगठन के कार्य के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि महिलाएं भी नागरिक सुरक्षा के कार्य को बखूबी कर सकती हैं और इस विषय पर जागरूकता व क्षमता के विकास हेतु हम भी कार्यरत हैं। इस कार्यशाला का उद्देश्य किसी भी आपदा, विपरीत परिस्थितियों व संकटकालीन समय में गृहणियों को धैर्य और साहस के साथ कार्य करना व संकट से लड़ना व उसका सामना करते हुए, स्वयं एवं अपने परिवार का बचाव करना, पीड़ित को सहारा देना, ट्रांसपोर्ट करना, तात्कालिक स्ट्रेचर, रस्सी द्वारा बचाव, प्राथमिक उपचार में ब्लीडिंग रोकना, कृत्रिम स्वास आदि विषयों पर समझ को बढ़ाना है। इसके लिए गृहणियों को तैयार करने की जिम्मेदारी उठाते हुए नागरिक सुरक्षा संगठन, छत्तीसगढ़, ''हम भी हैं तैयार'' कार्यक्रम के माध्यम से गृहिणियों को प्रशिक्षित कर रहा है। महिलाएं घर की जिम्मेदारियां उठती हैं, इस दौरान घर में किसी आपदा या विपरीत आकस्मिक परिस्थिति होने पर स्वयं व परिवार को सुरक्षित रखना व शीघ्र निर्णय लेने में सक्षम बनाना, 112 की सेवाएं बुलाना एवं अपना मनोबल बनाये रखना इत्यादि विषयों में उन्हें सविस्तार जानकारी प्रदान की गई।

इस कार्यशाला में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल महाविद्यालय), नागपुर (राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा महाविद्यालय) से प्रशिक्षित प्रशिक्षकगणों में मास्टर अनुदेशक, (ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग) श्री स्वतंत्र कुमार ने नागरिक सुरक्षा के इतिहास, उद्देश्य, भूमिका, आपदा प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा, घरेलु सुरक्षा, घरेलु उपकरण, विद्युत सुरक्षा समेत संचार सेवा विषय पर अपना प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया।

स्वाइन फ्लू के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए महापौर नीरज पाल ने अधिकारियों की बैठक ली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में स्वाइन फ्लू के बीमारी के केस बढ़ रहे हैं, उसको देखते हुए महापौर नीरज पाल ने आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव एवं नगर निगम के अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें इस बात पर चर्चा हुई, कि हम सब लोग किस प्रकार से इस बीमारी के प्रभाव को कम कर सके। नगर निगम भिलाई क्षेत्र के जो भी पीड़ित जो भी प्रभावित मरीज मिल रहे हैं। उनको बेहतर ट्रीटमेंट मिले प्राथमिक रूप से क्या बचाव किया जाए इसके लिए भी चर्चा की गई। जिला चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर बंजारे, सर्ववीलायेन्स अधिकारी, सीएमओ दुर्ग, मलेरिया अधिकारी ने बताया गया कि एच-1, एन-1 के धनात्मक प्रकरण प्राप्त हो रहा है। इसके प्रमुख लक्षण सर्दी, खांसी, छीकना, बुखार आना, सिर दर्द, बदन दर्द, उल्टी-दस्त, थकावट हो सकती है। संक्रमण की अवधि 1-2 दिन तक हो सकती है।

संक्रमण के प्रकार- संक्रमित व्यक्ति में लक्षण प्रारंभ होने के 3-5 दिवस तक अन्य व्यक्तियों को भी हो सकता है।

स्वाइन फ्लू से बचाव:- छीकते-खासते समय दूरी मेंटेन करें, मुंह पर रुमाल रखें, मुह पर मास्क लगाए, अनावश्यक बाहर न निकले, एक दूसरे से दूरी बनाए, पानी उबालकर पिए, हाथ को सेनीटाइज करे, हाथ साबुन से धोकर ही भोजन करें, बाहर खाने से बचे, बाहर से आए हुए व्यक्तियों से दूरी बनाए।

स्वाइन फ्लू का लक्षण दिखने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायकि स्वास्थ्य केन्द्र, सुपेला शासकीय चिकित्सालय, जिला चिकित्सालय दुर्ग एवं चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज में संपर्क कर सकते है। चंदूलाल चंद्राकर अस्पताल में स्वाइन फ्लू के लिए अलग से 30 बिस्तर का अलग से आइसोलेटेड वार्ड बनाया गया है एवं स्वाइन फ्लू के रोगियो के उपचार के लिए 30 बिस्तर का वार्ड भी बनाया गया है। जिला चिकित्सालय दुर्ग में भी 10 बिस्तर का अलग से वार्ड निर्धारित किया गया है, जहां पर स्वाइन फ्लू से संबंधित मरीजो का इलाज किया जा रहा है। महापौर नीरज पाल ने सभी से सहयोग की अपील की है। किसी भी प्रकार से पैनिक नहीं होना है कोरोना के समय जो प्रिकॉशन अपना रहे थे।

खास खबर...

डूमरतराई सब्जी मंडी के बाहर स्थानीय रहवासियों का प्रदर्शन

रायपुर। रायपुर के डूमरतराई इलाके में स्थित श्रीराम थोक सब्जी मंडी के बाहर स्थानीय रहवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। वर्धमान नगर कॉलोनी के लोगों ने अवैध पार्किंग, अवैध कब्जा, और सड़क किनारे फेंकी जा रही सड़ी-गली सब्जियों के कारण उत्पन्न हो रही गंदगी के खिलाफ सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों में बुजुर्ग, महिलाएं, और बच्चे भी शामिल थे, जिन्होंने नगर निगम और जोन कार्यालय पर शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होने का आरोप लगाया। वर्धमान नगर के निवासियों का कहना है कि वे लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कॉलोनी वासियों का कहना है कि अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे आने वाले दिनों में उग्र प्रदर्शन करेंगे। लोगों ने बताया कई बार नगर निगम और जोन कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई गई है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। हम सभी मजबूर होकर सड़कों पर उतरें हैं।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने परिवार संग मनाया पोरा तिहार

रायपुर। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को अपने निवास पर परिवार के साथ

पोरा तिहार मनाया। पारंपरिक तरीके से बैलों की मूर्तियों का पूजन किया और छत्तीसगढ़ी व्यंजन चीला- चौसेला और खुरमी का भोग चढ़ाया।

पूजन में चार पीढियां एक साथ शामिल हुई। सांसद बृजमोहन अग्रवाल नाती-पोतों के साथ पोरा तिहार का आनंद लेते नजर आए।बृजमोहन ने सभी प्रदेशवासियों को पोरा तिहार की बधाई देते हुए कहा कि, वो भगवान से छत्तीसगढ़ के किसानों की खुशहाली और समृद्धि की कामना करते है।

दादागुरुदेव प्रतिमाओं की माणक मोतियों से नयनाभिराम आंगी

पर्युषण पर्व पर बच्चों में नवांगी पूजन करने अपूर्व उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व जैन दादाबाड़ी में पर्युषण पर्व के दूसरे दिन सैकड़ों बच्चों ने नवांगी पूजन में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रात: जिनमंदिर के पट खुलते ही श्रद्धालुओं का आना आरम्भ हो गया। सर्वप्रथम स्नात्र पूजन के परमात्मा का जन्मकल्याणक मनाया गया।

सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि पर्युषण पर्व में रविवार अवकाश दिवस होने के कारण 500 से ज्यादा श्रावक श्राविकाओं ने सीमंधर स्वामी , सुमतिनाथ, पार्श्वनाथ व वर्तमान शासननायक महावीर स्वामी की प्रतिमाओं का अनामिका अंगुली से चंदन पूजन किया। पर्युषण पर्व के अवसर पर पूजन करने वाले बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। बच्चों को पूजन विधि की जानकारी व पूजन का महात्म्य समझाया गया।

ट्रस्टी नीलेश गोलछा व डॉ योगेश बंगानी ने आगे बताया कि दादागुरुदेव की प्रतिमाओं की माणक मोतियों व मखमली कपड़े से नयनाभिराम आंगी बनाई गई। जिसके दर्शन करने भक्तों का तांता लगा रहा। ट्रस्टी टीकम जैन ने बताया कि रात्रि 8.15 बजे से दादागुरुदेव इक्तिसा जाप व सुप्रसिद्ध भजन गायक मयंक डागा द्वारा प्रभु भक्ति की प्रस्तुति ने सबका दिल जीत लिया। पल पल मेरे हर रोम में हर श्वांस में प्रभु तुम रहो, जीवन की अंतिम श्वांस तक मेरे हृदय में तुम रहो, भगवान मोरी नैया उस पार लगा देना अब तक तो निभाया है आगे भी निभा लेना , जब कोई नही आता मेरे दादा आते हैं भजनों का देर रात तक भक्तों ने आनंद उठाया । प्रभु भक्ति के लाभार्थी महेन्द्र कुमार तरुण कुमार मानस गौरव कल्प कोचर परिवार रहे।

सांसद बृजमोहन ने किया 9.34 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रविवार को चंद्रशेखर आजाद वार्ड और डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी वार्ड में 9.34 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

बृजमोहन अग्रवाल ने चंद्रशेखर आजाद वार्ड मठपुरैना में 88 लाख रुपए की लागत के विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया। जिसमे गोकुल नगर गली में मनोज वर्मा के घर से अनिल यदु के घर तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण, गोकुल नगर में सिन्हा के घर से मशा देवांगन के घर तक सी सी रोड नाली निर्माण, उज्जवल के घर से पशु चिकित्सालय तक सीसी रोड नाली निर्माण कार्य, नगर आंगनबाड़ी से दुर्गा रंगमंच तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण, शिव मंदिर गली से रानी सोनी के घर होते हुए आगनवाड़ी तक सीसी रोड नाली निर्माण, ब्रिज नगर आंगनवाड़ी के पास मंदिर जीर्णोद्धार कार्य, गुरुकुल बिहार मंदिर जीर्णोद्धार कार्य किया जायेगा।

6.5 करोड़ से बीएसयूपी कॉलोनी को होगा कायाकल्प

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने 6.5 करोड़ रुपए की लागत के रावतपुरा और काठाडीह स्थित बीएसयूपी कॉलोनी के आवश्यक मरम्मत कार्य, नाली निर्माण, जलप्रदाय व्यवस्था, रंगाई पुताई, ग्रील इत्यादि कार्यों का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही रावतपुरा बीएसयूपी कॉलोनी में मंगल भवन और गार्डन निर्माण का भी भूमि पूजन किया।

बंजारी नगर, भाठागांव में 2 करोड़ की लागत से बनेगी सड़क, पुलिया और कक्ष

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी वार्ड नं. 61 भाठागांव स्थित बंजारी नगर में करीब 2 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। यहां साहू पास में नाली पुलिया एवं सड़क निर्माण कार्य, आनंद विहार, बंजारी नगर हनुमान वाटिका, शिवम विहार एवं अन्य क्षेत्रों में सीसी रोड, गाली एवं पुलिया निर्माण कार्य। रिंगरोड से नहर रोड होते हुए साहू कॉम्पलेक्स मठपुरैना से उच्यतर माध्यमिक शाला तक प्रकाश व्यवस्था हेतु विद्युत पोल स्थापना कार्य, जागृति उच्चतर माध्यमिक शाला में कक्ष निर्माण किया जाएगा।

इस अवसर पर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, भाजपा सरकार की प्राथमिकता विकास है। बीएसयूपी कॉलोनी की हालत खराब थी सालों से मूलभूत सुविधाओं के अभाव में लोग यहां रहने को मजबूर थे । साथ ही बंजारी नगर और मठपुरैना में सड़क और दूसरी सुविधाओं का आभाव था। जिसको देखते हुए यहां विकास कार्यों का भूमिपूजन किया है। जल्द ही लोगों को परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती सावित्री जयमोहन साहू, उपनेता प्रतिपक्ष मनोज वर्मामनोज वर्मा, पार्षद मृत्युंजय दुबे, सतनाम पनाग, सुभाष तिवारी, चंद्रपाल धनगर, राम कृष्ण ढीवर, नगर निगम अधिकारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट 2024 लोक मंथन प्रथम

एडिशन इवेंट 26 सितंबर से

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर और विबग्योर (एनई फाउंडेशन) द्वारा संयुक्त रूप से 26 से 28 सितंबर, तक रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट (लोक बियॉन्ड फोक) का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिष्ठित लोकमंथन 2024 का अग्रदूत यह सम्मेलन छत्तीसगढ़ की समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने और उसे बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में आयोजित किया जा रहा है जो हमारी स्वदेशी परंपराओं में निहित हैं।

लोकमंथन के पहले चरण के रूप में, छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट स्थिरता, पर्यावरण चेतना और क्षेत्र की स्वदेशी परंपराओं में गहराई से अंतर्निहित सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। सम्मेलन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की विविध प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करना है,और इस विरासत को बनाए रखने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देना है। विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से, यह सम्मेलन स्वदेशी लोगों की बहुमुखी टिकाऊ प्रथाओं और पर्यावरण पर उनके दृष्टिकोणों का पता लगाएगा, और प्रतिभागियों के लिए सीखने के अवसर प्रदान करेगा।

इस सम्मेलन में गैर-लकड़ी वन उत्पादों के सतत औद्योगिकीकरण के लिए वन नीति, वन संरक्षण के लिए सामुदायिक मॉडल, वानिकी क्षेत्र के लिए कार्बन क्रेडिट, औषधीय पौधों और मशरूम के सतत उपयोग में तकनीकी प्रगति, वन प्रबंधन में रणनीतिक योजना, टिकाऊ शहरों के लिए शहरी वानिकी, वन संरक्षण के लिए एक उपकरण के रूप में इकोटूरिज्म और वन-निवासी समुदायों के विकास के दृष्टिकोण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सेमिनार और पैनल डिस्कशन आयोजित होंगे।

इन सेमिनारों के अलावा, छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट में लाइव लूम वॉक-थ्रू, छत्तीसगढ़ के स्वदेशी व्यंजन, ओपन-एयर लाइव प्रदर्शन, स्वदेशी धुन और नृत्य, वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति, स्वदेशी कहानी के माध्यम से लोकगीत, कठपुतली शो, स्वदेशी मंत्रोच्चार, हरित उद्यम और स्वदेशी टैटू का प्रदर्शन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट 2024 में उपस्थित लोगों को विचारों का आदान-प्रदान करने, ज्ञान प्राप्त करने और विभिन्न हितधारकों के साथ साझेदारी स्थापित करने का अवसर मिलेगा। इस दौरान प्रतिभागी नीति निर्माताओं, हरित पेशेवरों और नवोदित उद्यमियों के साथ नेटवर्क बनाएंगे, हरित प्रथाओं, उत्पादों और सेवाओं को अपनाने में उपलब्धियों का प्रदर्शन करेंगे। सम्मेलन में शैक्षणिक सत्र, पेपर प्रस्तुतियाँ और राज्य की हरित और स्वदेशी प्रथाओं पर केंद्रित जीवंत कला और सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी शामिल हैं। यह सम्मेलन छत्तीसगढ़ की समृद्ध पारिस्थितिक और सांस्कृतिक विरासत में भाग लेने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा, जो क्षेत्रीय विरासत को आगे बढ़ाने एक स्थायी भविष्य में योगदान देगा। इस अदभुत सम्मेलन से जुड़ी अन्य जानकारी इसकी वेबसाइट https://www.cggreen-summit.in/ पर प्राप्त की जा सकती है

अधिक से अधिक संख्या में भाजपा के सदस्य बनें-डॉ. रमन सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा के सदस्यता अभियान के अंतर्गत एक बार पुन: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत सभी भाजपा के सदस्य संगठन की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। हम सब को भी इस महाभियान में अपने-अपने क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में भाजपा के सदस्य शामिल कर उन्हें संगठन की विचारधारा से जोड़ना सुनिश्चित करना है। उक्त बातें विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि भाजपा के 'संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024' के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज सदस्यता अभियान का एक और दौर प्रारंभ हो रहा है। भारतीय जनसंघ से अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने का भरसक प्रयास किया है। अगर किसी दल में आंतरिक लोकतंत्र निरंतर नहीं पनपता तो वैसी स्थिति बनती है जो आज हम देश के कई दलों की देख रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, बीजेपी अपने संविधान के अनुसार चलती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने कहा, हमारी पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी तो है ही साथ ही राजनीतिक दलों में अनूठी पार्टी भी है। कोई राजनीतिक दल लोकतांत्रिक तरीके से हर 6 साल में सदस्यता अभियान नहीं करता। भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जिस पर हमें गर्व है। केंद्रीय रक्षा मंत्री और भाजपा नेता राजनाथ सिंह ने कहा, भारत में पहले के नेताओं की कथनी और करनी में अंतर के कारण विश्वास का संकट पैदा हो गया था, इसे प्रधानमंत्री मोदी ने चुनौती के रूप में लिया। जब 2014 में वे प्रधानमंत्री बने तब मैं पार्टी का अध्यक्ष था। तब उन्होंने बार-बार आग्रह किया कि चुनावी घोषणा पत्र संभल कर बनाया जाना चाहिए। ऐसा न हो कि हम जो कह रहे हैं उसे पूरा न कर पाएं। हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं होना चाहिए।

उल्लास मेला में साक्षरता के महत्व को उजागर किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देशभर में चलाए जा रहे उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत, 1 से 8 सितंबर तक देशव्यापी साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक आयु के निरक्षर लड़कियों, महिलाओं, दिव्यांगजन, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, और अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को साक्षर बनाना है।

इसी क्रम में, रायपुर जिले में उल्लास कार्यक्रम और उल्लास मेला का आयोजन जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के अध्यक्ष और जिलाधीश डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। यह आयोजन डाइट रायपुर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत रायपुर, विश्वदीप की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम में रायपुर जिले के शिक्षकों के बीच एएलटी-स्काउट हेमधर साहू ने गीतों, नारों, और श्लोगनों के माध्यम से उल्लास का वातावरण तैयार किया। इस अवसर पर डाइट रायपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ. छवि राम साहू, जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता डॉ. कामिनी बावनकर, सहायक जिला परियोजना अधिकारी और राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक चुन्नी लाल शर्मा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में रायपुर जिले के संकुल समन्वयक और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी हिस्सा लिया। इस आयोजन का उद्देश्य सभी के लिए आजीवन सीखने की समझ विकसित करना और साक्षरता को बढ़ावा देना था। उल्लास मेला में विभिन्न गतिविधियों और प्रस्तुतियों के माध्यम से साक्षरता के महत्व को उजागर किया गया। इस कार्यक्रम ने रायपुर जिले में साक्षरता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और इसे व्यापक रूप से सराहा गया।

तीज महोत्सव में नृत्य व तीज सुंदरी प्रतियोगिता की धूम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छत्तीसगढ़ एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित तीज महोत्सव का आयोजन 1 सितंबर को वृन्दावन हॉल, सिविल लाइन में बड़े उत्साह और धूमधाम से किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य प्रदेश की विप्र महिलाओं और युवतियों को पारिवारिक और सामाजिक मंच प्रदान करना था।

कार्यक्रम में 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं ने क्लासिकल और फोक नृत्य में समूह, युगल और एकल प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती मीनल चौबे, नेता प्रतिपक्ष, नगर निगम, श्रीमती दीप्ति दुबे, पूर्व प्रथम महिला और समाजसेवी, और निर्णायक मंडली में नृत्यांगना एवं अभिनेत्री अनुराधा दुबे, उदघोषिका आकांक्षा दुबे, और नृत्यांगना वंशिका ठाकुर शामिल थीं। प्रतियोगिता में एकल नृत्य में देबोलिना दास ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अभिलाषा शर्मा ने द्वितीय स्थान हासिल किया। युगल नृत्य में पंजाबी फोक टीम, जिसमें सीमा और रावी शामिल थे, ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और सुरभी और लारी की जोड़ी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। समूह नृत्य में महाराष्ट्र मंडल की अनिता के ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और अपर्णा के ग्रुप ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

तीज सुंदरी प्रतियोगिता में गुंडरदेही की सभापति पायल शर्मा ने विजेता का खिताब जीता, जबकि भाटापारा की अभिलाषा झा उपविजेता रहीं। सभी विजेताओं और उपविजेताओं को स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वीणा मिश्रा और कल्पना मिश्रा ने उपस्थित दर्शकों को सुहाग सामग्री वितरित की। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव सुरेश मिश्रा, महासचिव अजय अवस्थी, सुनील ओझा, संभागीय अध्यक्ष नितिन झा, महिला महासचिव सुमन मिश्रा, सांस्कृतिक सचिव प्रीति मिश्रा, और कार्यक्रम संयोजक विद्या भट्ट समेत कई अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में विप्र समाज के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नमिता शर्मा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अरविन्द ओझा द्वारा किया गया। आयोजन में विप्र समाज की सहभागिता और उत्साह ने इसे एक यादगार और सफल आयोजन बना दिया।

फोकस

अक्षरा सिंह ने स्टालिश आउटफिट में गिराई बिजली, कैमरा के सामने दिए किलर पोज

भोजपुरी एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह यूपी, बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में अपने फैंस के बीच खास अंदाज के लिए मशूहर हैं। अक्षरा सिंह अपनी अदाओं से जादू बिखरने के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के लिए वीडियो और अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। उनके वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही छा जाते हैं।

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री और गायिका अक्षरा सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हॉट वीडियो शेयर किया है, जिनमें उनका स्टाइलिश अवतार देखने को मिल रहा है। इस वीडियो में अक्षरा सिंह बेहद ग्लैमरस लग रही हैं और उनके ग्लोइंग मेकअप और खास अंदाज में बंधे हुए बालों ने उनके फैंस का दिल जीत लिया है। अक्षरा सिंह वीडियो में एक से बढ़कर किलर पोज दे रही हैं। इस वीडियो को देखकर उनके फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। कुछ ही समय में इन वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है और यह तेजी से वायरल हो रहा है।

खूबसूरत अदाकाराओं में से एक अक्षरा सिंह की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। बता दें, करीब 3.12 मिलियन लोग अक्षरा को फॉलो करते हैं। अक्षरा सिंह का जन्म भले ही मुंबई में हुआ हो लेकिन वो मूल रूप से बिहार की राजधानी पटना की रहने वाली हैं। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाने वाली एक्ट्रेस अक्षरा सिंह के पेरेंट्स भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा है। अक्षरा राजपूत समाज से ताल्लुक रखती हैं।

निवेथा थॉमस-स्टारर फैमिली ड्रामा फिल्म 35-चिन्ना कथा काडू 6 सितंबर को होगी रिलीज

अभिनेत्री निवेथा थॉमस की आगामी फैमिली ड्रामा फिल्म 35-चिन्ना कथा काडू 6 सितंबर को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म 35-चिन्ना कथा काडू पारिवारिक बंधनों की जटिलता पर बात करती है। इसमें जीवन पर विपरीत दृष्टिकोण से देखने वाले दो भाई-बहनों के बीच के संघर्ष को दिखाया गया है।

निवेथा इसमें एक मध्यम वर्ग की महिला की भूमिका निभा रही हैं, जो अपनी आकांक्षाओं और पारिवारिक कर्तव्यों के बीच फंसी हुई है। फिल्म यह पता लगाती है कि ये परस्पर विरोधी विचार उनके रिश्तों को कैसे आकार देते हैं और उनके जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं। कलाकारों में प्रियदर्शी, विश्वदेव, गौतमी और भाग्यराज शामिल हैं। इसे तेलुगु, तमिल और मलयालम में रिलीज किया जाएगा।

राणा दग्गुबाती द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म सुरेश प्रोडक्शंस एस ओरिजिनल्स और वाल्टेयर प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। इस फिल्म को बेहद ही कम बजट में बनाया गया है। इसका निर्देशन नंद किशोर इमानी ने किया है। 35-चिन्ना कथा काडू एक भावनात्मक रूप से आकर्षक अनुभव देने का वादा करती है। निवेथा ने अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में लोकप्रिय धारावाहिक माई डियर बूथम से की। उसके बाद उन्होंने वेरुथे ओरु भार्या में जयराम की बेटी की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्हें कुछ तमिल और मलयालम फिल्मों में काम करने का मौका मिला, जिनमें चप्पा कुरीश और थट्टाथिन मरायथु और पोराली शामिल हैं। निवेथा ने 2016 में जेंटलमैन से तेलुगु फिल्म में डेब्यू किया। इसके बाद उन्हें रोमांस, जिल्ला, पापनासम, निन्नू कोरी, जय लव कुश, 118, ब्रोचेवरेवरुरा, वी, वकील साब जैसी हिट फिल्मों में देखा गया, जो अमिताभ बच्चन और तापसी पन्नू अभिनीत हिंदी फिल्म पिंक की तेलुगु रीमेक थी। उन्हें दरबार फिल्म में रजनीकांत की बेटी का किरदार निभाते हुए देखा गया। उन्होंने सुधीर वर्मा द्वारा निर्देशित साकिनी दाकिनी में भी काम किया। यह फिल्म कोरियाई फिल्म मिडनाइट रनर्स की तेलुगु रीमेक है, जिसमें रेगीना कैसांड्रा ने अभिनय किया था।

काम्या पंजाबी ने टीवी इंडस्ट्री को बताया सबसे सुरक्षित, बोलीं- यहां कास्टिंग काउच नहीं होता

काम्या पंजाबी ने टीवी जगत को सबसे सुरक्षित जगह बताया और कहा कि यहां किसी तरह की कोई गंदगी नहीं है। यहां लोगों के साथ जबरदस्ती नहीं की जाती और ना ही उन्हें ब्लैकमेल किया जाता है। टीवी एक्ट्रेस काम्या पंजाबी ने भारतीय टीवी इंडस्ट्री में महिलाओं की सुरक्षा के सवाल पर अपनी राय रखी।

कई बड़े धारावाहिकों का हिस्सा रहीं काम्या पंजाबी ने कहा कि उनके तजुर्बे के मुताबिक टीवी इंडस्ट्री में कोई सेक्सुअल अब्यूज नहीं है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि अभी टीवी इंडस्ट्री महिलाओं के काम करने के लिहाज से सबसे सुरक्षित जगह है। बता दें कि काम्या पंजाबी संजोग, अस्तित्व, नीरजा और मर्यादा जैसे टीवी शोज का हिस्सा रही हैं और कई सालों तक उन्होंने फैंस का एंटरटेनमेंट किया है।

टेलीविजन जगत के वर्क कल्चर के बारे में न्यूज 18 के साथ बात करते हुए काम्या पंजाबी ने कहा, 'टेलीविजन बहुत साफसुधरा रहा है। मुझे नहीं पता कि इस बीते दौर में क्या होता रहा है लेकिन अभी यह बहुत साफ-सुधरा है। यहां किसी तरह की कोई गंदगी नहीं है। यहां लोगों के साथ जबरदस्ती नहीं की जाती और ना ही उन्हें ब्लैकमेल किया जाता है। यहां कास्टिंग काउच नहीं होता। अगर आप किसी रोल के लिए उपयुक्त हैं, आप में टैलेंट है, तो आपको शो के लिए चुन लिया जाएगा।'

अगर कुछ होता है तो आपसी सहमति से होता है

काम्या पंजाबी ने कहा कि मेरे हिसाब से टेलीविजन काम करने के लिहाज से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में सबसे सुरक्षित जगह है। यहां पर सेक्सुअल अब्यूज नहीं होता है। अगर कुछ होता है तो वह आपसी सहमति से हो रहा है। कोई भी किसी को रोल देने का वादा करके अपने साथ सोने के लिए नहीं कह रहा है। काम्या पंजाबी ने कहा, 'कुछ एक्टर वुमेनाइजर्स हैं लेकिन अगर आप रुक जाएं, अगर आप अपना स्टैंड क्लीयर कर दें तो इस तरह की चीजें भी नहीं होंगी। किसी पर इन चीजों के लिए दबाव नहीं बनाया जा रहा।'

बताया इंडस्ट्री में अपना तजुर्बा

टीवी की दुनिया का लोकप्रिय और चर्चित चेहरा रहीं काम्या पंजाबी ने कहा, 'ऐसा नहीं है कि आपको हाथ लगाया जाएगा और आप असहज महसूस करोगे। अगर आप उनसे साफकहें कि हैलो मुझे यह सब पसंद नहीं, तो आपको दोबारा कोई छूने की हिम्मत नहीं करेगा। हमने ऐसे एक्टर्स को देखा है जो लड़कियों के लिए पागल हैं, लेकिन कोई भी किसी के साथ जबरदस्ती नहीं करता है। मैं कुछ लोगों को जानती हूं जो कहते हैं कि उनके साथ इंडस्ट्री में ऐसी चीजें हुई हैं, लेकिन फिर कहूंगी कि अगर लड़की नहीं चाहेगी तो टीवी इंडस्ट्री में कोई उसके साथ जबरदस्ती नहीं कर सकता।'

शिवमणि के लाइव शो को अभिनेत्री निकिता दत्ता ने बताया मैजिकल

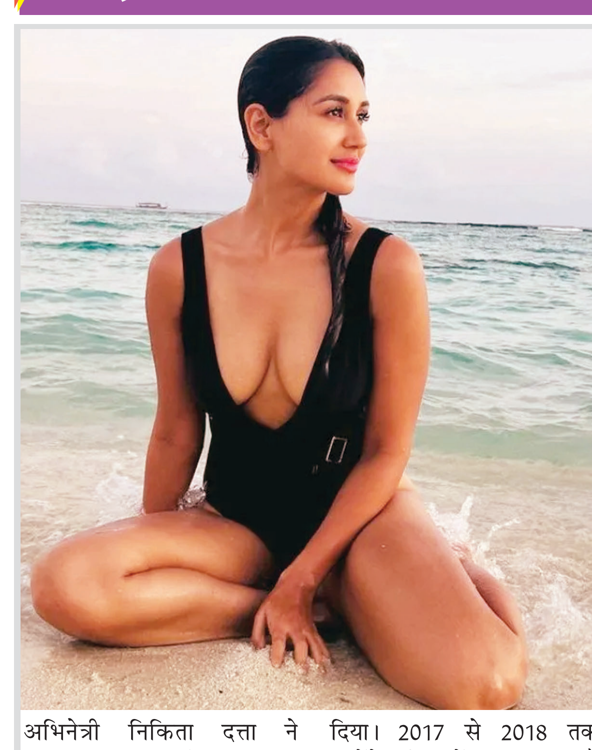

अभिनेत्री निकिता दत्ता ने तालवादक आनंदन ड्रम्स शिवमणि के प्रदर्शन की एक झलक शेयर की है। उन्होंने इसे जादुई अनुभव बताया है। इंस्टाग्राम पर 1.7 मिलियन फॉलोअर्स वाली निकिता ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शिवमणि अपने हुनर से सबको मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। क्लिप का कैप्शन है, शिवमणि को लाइव देखा.. वाकई जादुई। चेन्नई की रहने वाले पर्कशनिस्ट पद्म श्री शिवमणि ड्रम, ऑक्टोबन, दरबुका, उडुकाई, घाटम और कंजीरा जैसे वाद्य यंत्र बजाते हैं।

वहीं, 33 वर्षीय अभिनेत्री निकिता एक एक्टर हैं। जिन्होंने शुरुआत मॉडलिंग से की। 2012 में फेमिना मिस इंडिया में भाग लिया था। उन्होंने 2014 में रोमांटिक कॉमेडी लेकर हम दीवाना दिल से अपनी अभिनय यात्रा शुरु की। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में अरमान जैन और दीक्षा सेठ मुख्य भूमिकाओं में थे।

उन्होंने 2015 में ड्रीम गर्ल- एक लड़की दीवानी सी से अपना टेलीविजन डेब्यू किया। निकिता ने मोहसिन खान के साथ एक महत्वाकांक्षी अभिनेत्री लक्ष्मी की भूमिका निभाई थी। इसमें श्रद्धा आर्या, सुदीप साहिर, कुणाल वर्मा और खालिद सिद्दीकी ने काम किया था।

नामिक पॉल के साथ एक दूजे के वास्ते में सुमन की भूमिका ने उनके करियर को एक नया मोड़ दिया। 2017 से 2018 तक, उन्होंने हासिल में जायद खान और वत्सल सेठ के साथ एक वकील की भूमिका निभाई। ये उनका आखिरी टीवी शो था।

2018 में अक्षय कुमार के अपोजिट स्पोर्ट्स फिल्म गोल्ड के साथ निकिता ने फिल्मों में वापसी की। इसके बाद वह लस्ट स्टोरीज, कबीर सिंह, मस्का, द बिग बुल, डायबुक और रॉकेट गैंग जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं।

फिल्मों की बात करें तो उन्हें आखिरी बार बिजॉय नांबियार द्वारा निर्देशित एक्शन ड्रामा डांगे में ऋषिका के रूप में देखा गया था। फिल्म को हिंदी और तमिल में एक साथ शूट किया गया था और इसमें हर्षवर्धन राणे और एहान भट मुख्य भूमिकाओं में थे।

निकिता को नीरज पांडे द्वारा बनाई गई वेब सीरीज खाकी- द बिहार चैप्टर में भी देखा गया था। इसमें करण टैकर (आईपीएस अमित लोढ़ा के रूप में) मुख्य भूमिका में हैं। वह क्राइम थ्रिलर सीरीज में अमित की पत्नी तनु लोढ़ा का किरदार निभा रही हैं।

घराट गणपति से निकिता मराठी सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं। नवज्योत नरेंद्र बांदीवाडेकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में भूषण प्रधान, अजिंक्य देव, अश्विनी भावे के साथ संजय मोने, शुभांगी लाटकर और शुभांगी गोखले भी है। निकिता के पास 'ज्वेल थीफ- द रेड सन चैप्टर' और 'गुल गुले बकावली' भी हैं।

कंगना की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी का गाना ए मेरी जान रिलीज

कंगना की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी की रिलीज पर मुसीबतों के बादल मंडरा रहे हैं यह फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होने वाली है लेकिन कई संगठन इसे बैन करवाने पर तुले हुए हैं। इसी बीच फिल्म का नया गाना ए मेरी जान मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। जिसमें कंगना और विपक्ष की आंखों में देशभक्ति साफ देखी जा सकती है।

फिल्म का पहला गाना सिंहासन खाली करो था जिसमें विपक्ष को आपातकाल के खिलाफ आवाज उठाते हुए देखा गया था। अब मेकर्स ने फिल्म से दूसरा गाना रिलीज किया है जिसका टाइटल ए मेरी जान है। फिल्म में इमरजेंसी लगने पर देश के बिगड़े हालात की झलक दिखाई गई है। पक्ष विपक्ष देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर गाना रिलीज करते हुए कैप्शन लिखा- ऐ मेरी जान मुझे जान से भी प्यारा है तू, राष्ट्र के प्रति परम प्रेम, प्रेम की घोषणा ए मेरी जान अब जारी। 6 सितंबर को सिनेमाघरों में इमरजेंसी। वहीं फैंस भी इस गाने को काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट सेक्शन में तारीफ कर रहे हैं।

शिरोमणि अकाल दल और सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने फिल्म पर पूरी तरह से बैन लगाने की मांग की है। इमरजेंसी फिल्म साल 1975 में देश में लगी इमरजेंसी और तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी की एक सिख द्वारा की गई हत्या को दिखाया गया है। यह विवाद उस वक्त उठा जब फिल्म इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज हुआ था। ऐसे में सिख कम्यूनिटी कंगना रनौत और सेंसर बोर्ड को लीगल नोटिस भेज चुकी है।

इमरजेंसी 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है देखना दिलचस्प होगा कि बैन के लिए उठ रही मांगो का फिल्म की रिलीज पर क्या असर पड़ता है। फिल्म कंगना के अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन, सतीश कौशिक, महिमा चौधरी जैसे कलाकार खास रोल में हैं।

लैपटॉप और मोबाइल का अधिक इस्तेमाल होता है हानिकारक

इससे होती हैं हड्डियों की ये बीमारियां

आधुनिकता के बढ़ने से लोग मोबाइल और लैपटॉप जैसे उपकरणों के आदि होते जा रहे हैं। ऑफिस और घर पर बैठे-बैठे लोग अपना ज्यादातर समय लैपटॉप पर काम करते हुए या मोबाइल चलाते हुए बिता देते हैं। इन उपकरणों के अत्यधिक इस्तेमाल से आपको हड्डियों से जुड़ी कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, जिनके कारण दर्द उठ सकता है और स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। लैपटॉप के अधिक उपयोग से हड्डियों की ये बीमारियां होती हैं।

■ सरवाइकल

गर्दन का गठिया या सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस लैपटॉप और मोबाइल के अधिक इस्तेमाल से होने वाली बीमारी है। इन उपकरणों को चलाते समय स्क्रीन को देखने से सर्वाइकल स्पाइन पर दबाव पड़ सकता है।यह गर्दन के जोड़ों और डिस्क को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके कारण आपको अकड़न, लगातार गर्दन में दर्द और तंत्रिका संपीड़न हो सकता है, जो हाथों और भुजाओं में झुनझुनी या सुन्नता का कारण बनता है।

■ रीढ़ की हड्डी का ऑस्टियोपोरोसिस

लैपटॉप चलाते समय ज्यादातर लोग लंबे समय तक गलत मुद्रा में बैठे रहते हैं। ऐसा करने से आपको रीढ़ की हड्डी का ऑस्टियोपोरोसिस हो सकता है। इसके कारण न केवल आपकी हड्डियां कमजोर होती हैं, बल्कि उनके टूटने का खतरा भी बढ़ जाता है।इस बीमारी के आम तौर पर तब तक कोई लक्षण उजागर नहीं होते हैं, जब तक कोई हड्डी न टूट जाए। जानिए ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी के कारण, लक्षण और इससे बचाव के उपाय।

■ रिपिटेटिव स्ट्रेन इंजरी

रिपिटिटिव स्ट्रेन इंजरी (आरएसआई) नामक बीमारी आमतौर पर लैपटॉप या मोबाइल के लंबे समय तक इस्तेमाल के कारण होती है। अपनी गर्दन की मांसपेशियों और शरीर पर अधिक तनाव डालने से यह परेशानी बढ़ सकती है। आरएसआई बीमारी समय के साथ टेंडन और कलाई की हड्डियों में सूजन पैदा कर सकती हैं। इसके कारण टेंडिनिटिस या कार्पल टनल सिंड्रोम हो सकता है, जो दर्द और काम करने में परेशानी का कारण बनता है।

■ थोरसिक आउटलेट सिंड्रोम

कॉलरबोन और पहली पसली के बीच की नसों या रक्त वाहिकाओं का दबना थोरैसिक आउटलेट सिंड्रोम का कारण बनता है। खराब मुद्रा में लैपटॉप या मोबाइल उपकरण चलाने से ही अक्सर यह समस्या उत्पन्न होती है। गर्दन और कंधों में दर्द, उंगलियों का सुन्न होना और पकड़ का कमजोर होना इसके कुछ सामान्य लक्षण हैं। समय रहते इसका इलाज न करवाने पर अधिक गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

■ टेंडिनिटिस

लैपटॉप और मोबाइल पर लगातार उंगलियां चलाने से आपको टेंडिनिटिस नामक बीमारी लग सकती है। इसके कारण आपको उंगलियों में दर्द हो सकता है और कलाई व हाथ में सूजन आ सकती है। आम तौर पर लोग इस समस्या को आम परेशानी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। हालांकि, इसका समय पर इलाज न होने से यह बीमारी गंभीर भी हो सकती है। आप स्वस्थ रहने के लिए कुर्सी पर बैठे-बैठे ये एक्सरसाज कर सकते हैं।

पंचायती राज मंत्रालय, भारतीय प्रबंधन संस्थान- अमृतसर की साझेदारी में पांच दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम

नई दिल्ली (पीआईबी)। पंचायती राज मंत्रालय, भारतीय प्रबंधन संस्थान-अमृतसर की साझेदारी में 2 से 6 सितंबर, 2024 तक पांच दिवसीय आवासीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम में दस राज्यों के पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधि और पदाधिकारी शामिल हैं। ये राज्य हैं- अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड। ये प्रतिभागी आईआईएम- अमृतसर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का प्राथमिक लक्ष्य पंचायत प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के नेतृत्व, प्रबंधन और शासन कौशल को सुदृढ़ करना है। यह पहल स्थानीय शासन में सुधार लाने और ग्रामीण समुदायों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए पंचायतों की क्षमता बढ़ाने को लेकर मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दिखाती है।

पांच दिनों के दौरान इस कार्यक्रम में नेतृत्व, प्रबंधन, नैतिकता, ग्रामीण नवाचार, खुद के स्रोत राजस्व (ओएसआर) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स-एआई) सहित विभिन्न विषयों को शामिल किया जाएगा। इन प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के नेतृत्व वाले सत्रों, केस स्टडीज और संवादात्मक चर्चाओं में हिस्सा लेना है, जिसका उद्देश्य उन्हें अपने समुदायों का अधिक प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने के लिए जरूरी ज्ञान और उपकरणों से युक्त करना है। ग्रामीण भारत में स्थानीय शासन की प्रभावशीलता और दक्षता को बढ़ाने में इस कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण भूमिका रहने की आशा है। जमीनी स्तर पर पंचायतें महत्वपूर्ण हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरी सेवाएं और शासन प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों व अधिकारियों की भूमिका उनकी संवैधानिक जिम्मेदारियों को पूरा करने और विकसित भारत की सोच में योगदान देने के संबंध में महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अपने समुदायों की बेहतर सेवा करने के लिए उनकी क्षमताओं में बढ़ोतरी करना है।

इस कार्यक्रम का मुख्य फोकस खुद के स्रोत राजस्व (ओएसआर) को बढ़ाने पर है, जो वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने और पंचायतों को सक्षम पंचायत बनने को लेकर सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। अपनी वित्तीय स्वतंत्रता को मजबूत करने से पंचायतें स्थानीय जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने और ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाने में सक्षम होंगी। इसके अलावा यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को नवीनतम प्रबंधन सिद्धांतों, उपकरणों और कौशलों से भी परिचित कराता है। यह ग्रामीण शासन में कॉर्पोरेट स्तर की पेशेवरता लाता है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य संसाधनों का प्रभावी और कुशल उपयोग सुनिश्चित करना है, जिससे पंचायतें ग्रामीण समृद्धि में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। व्यापक तौर पर इस कार्यक्रम से भारत में स्थानीय शासन की प्रभावशीलता और दक्षता में काफी सुधार होने की आशा है, जिसके परिणामस्वरूप ग्रामीण विकास में तेजी आएगी और ग्रामीण नागरिकों के लिए जीवन की गुणवत्ता बेहतर होगी।

पृष्ठभूमि: पंचायती राज मंत्रालय ने पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों के नेतृत्व व प्रबंधन कौशल को बढ़ाने के लिए जनवरी, 2024 में नेतृत्व/प्रबंधन विकास कार्यक्रम शुरू किया था। इस कार्यक्रम को प्रतिभागियों, राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और प्रबंधन संस्थानों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है, जोकि एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका उद्देश्य पंचायत नेताओं को उन्नत कौशल से युक्त करके जमीनी स्तर पर प्रभावी शासन को बढ़ावा देना और समग्र प्रदर्शन में सुधार करना है। यह कार्यक्रम विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिभागियों के बीच सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों और अनुभवों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है।

'खाखी किड्स' से बच्चों को बनाया जाएगा साइबर और ट्रैफिक बडी'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सक्ती जिला में पुलिस विभाग द्वारा 'खाखी किड्स' नामक एक नई पहल शुरू की गई है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा की अगुवाई में इस अभियान के तहत स्कूली बच्चों को 'साइबर बडी' और 'ट्रैफिक बडी' के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को साइबर सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक बनाना है, ताकि वे न केवल स्वयं जागरूक हों, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी जागरूक कर सकें।

इस मौके पर बच्चों ने साइबर फ्रॉड से बचाव और ट्रैफिक नियमों के पालन की शपथ ली। इस पहल को बच्चों ने भी भारी उत्साह के साथ स्वीकार किया और अंत में आयोजित क्विज में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

पुलिस अधीक्षक सुश्री शर्मा का कहना है कि आज के बच्चे कल के समाज के निर्माणकर्ता होंगे और इस पहल से बच्चों को समाज का जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

डीएमएफ से बने 60 से ज्यादा नए स्कूल भवन, खुश हुए विद्यार्थी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले के लिए जिला खनिज संस्थान न्यास मद से प्राप्त राशि वरदान साबित होने लगी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफसे जिले में लगातार स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा व्यवस्था एवं जनहित संबंधित आवश्यक कार्य को कराने पहल की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तथा आसपास मौजूद जर्जर स्कूल भवनों का चिन्हांकन कर नए भवनों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है।

डीएमएफ से कुल 60 से अधिक नए स्कूल भवन निर्माण, अतिरिक्त कक्ष, जीर्णोद्धार कार्य हेतु प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अलावा उन्होंने 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से वहां की आवश्यकताओं को देखते हुए बाउण्ड्री वॉल निर्माण की स्वीकृति भी प्रदान की है। इससे पूर्व बीते माह फरवरी में ही 88 नवीन स्कूल भवन की स्वीकृति प्रदान की थी। दूरस्थ क्षेत्रों सहित आसपास के जर्जर स्कूल भवनों के स्थान पर नए भवन बनने से स्कूल में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों सहित शिक्षकों की समस्याएं दूर होंगी। इन स्वीकृति में ज्यादातर प्राथमिक स्कूल नवीन भवन (पुराने भवन का विनिष्टिकरण भी) शामिल है। कुछ स्थानों पर माध्यमिक शाला हेतु भवन, अतिरिक्त कक्ष एवं प्रयोगशाला कक्ष तथा जीर्णोद्धार की स्वीकृति प्रदान की गई है।

नए भवन की स्वीकृति से हर्ष: जिला प्रशासन द्वारा जर्जर हो चुके स्कूल भवनों के लिए नए भवन स्वीकृत किए जाने पर स्कूल के विद्यार्थियों सहित संबंधित शिक्षकों में खुशी है। करतला विकासखण्ड के अंतर्गत आने वाले दूरस्थ ग्राम बैगापारा-घिनारा का प्राथमिक शाला भवन भी है। 38 साल पुराने शीट युक्त छत वाले भवन में प्राथमिक शाला का संचालन किया जा रहा है। दो कमरों में संचालित विद्यालय में 57 विद्यार्थी हैं। विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती शशीकला राठिया ने बताया कि यहां नए स्कूल भवन की सख्त आवश्यकता थी। जिला प्रशासन द्वारा नए भवन स्वीकृत किए जाने की सूचना मिली है। यह हमारे लिए खुशी की बात है। नए भवन बनने से विद्यार्थियों के साथ ही हमें भी राहत मिलेगी।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बनेगा बाउण्ड्रीवॉल: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर कलेक्टर ने जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए डीएमएफ से दूरस्थ क्षेत्रों के 23 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवास निर्माण एवं बाउण्ड्रीवाल निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान की है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में आवास निर्माण होने से चिकित्सक सहित अन्य स्टाफ आसानी से रूक पाएंगे। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बाउण्ड्रीवॉल बनने पर मरीज सहित चिकित्सकीय स्टाफ खुद को स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित महसूस करेंगे।

जिले में राष्ट्रीय पोषण माह का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत धनागर ग्राम पंचायत के आंगनबाड़ी केन्द्र में राष्ट्रीय पोषण माह 2024 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल ने की तथा कार्यक्रम में धनागर की सरपंच श्रीमती भीषिता पटेल उपस्थित रहीं।

साथ ही जिला कार्यक्रम अधिकारी लक्ष्मी राम कच्छप एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अतुल दाण्डेकर उपस्थित रहे। पोषण माह कार्यक्रम के शुभारंभ में 04 बच्चों का अन्नप्राशन 03 गर्भवती माताओं की गोद भराई एवं बाल भोज का आयोजन किया गया। साथ ही किशोरी बालिकाओं का एनीमिया जॉच कराया गया। कार्यक्रम के संबंध में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पटेल जी ने कहा राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन शासन की अच्छी पहल है। जिसके माध्यम से कुपोषण और स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जन जागरूकता लायी जा सकती है। उक्त कार्यक्रम में सभी को बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए।

शहरी क्षेत्र के चक्रधर नगर के हनुमान नगर आंगनबाड़ी केन्द्र में राष्ट्रीय पोषण माह 2024 का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता श्रीमती जानकी काटजू नगर निगम महापौर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष श्रीमती पूनम सोलंकी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में 04 बच्चों का अन्नप्राशन एवं बाल भोज का आयोजन किया गया। साथ किशोरी बालिकाओं का एनीमिया जांच कराया गया। श्रीमती काटजू महापौर ने कार्यक्रम के संबंध में कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जन जागरूकता लाने का उचित माध्यम है। सभी को इसमें भाग लेना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष श्रीमती पूनम सोलंकी ने कहा कि पोषण मुक्त देश प्रधानमंत्री जी का सपना है जिसे हम सभी को मिलकर पूरा करना है। राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता लाना है।

राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के द्वितीय सप्ताह में 11 सितम्बर से 20 सितम्बर तक वजन त्यौहार का आयोजन किया जाना है। साथ ही सभी स्कूलों में एनीमिया जॉच किया जाना है। आज से जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में राष्ट्रीय पोषण माह 2024 का शुभारंभ किया जा चुका है। जिसके तहत आंगनबाड़ी केन्द्र में निर्धारित कलेन्डर अनुसार प्रतिदिन गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

शिक्षा के साथ ही खेलकूद से निखरती है प्रतिभा : मंत्री चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले के प्रभारी मंत्री एवं वित्त मंत्री ओ पी चौधरी आज चांपा के सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित विद्या भारती मध्य क्षेत्रीय जूडो, कुरास, ताईक्वाडो एवं कराते खेलकूद प्रतियोगिता का समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। समापन कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा भारत माता व सरस्वती माता के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री चौधरी ने सभी विद्यार्थियों व खिलाड़ियों से कहा कि आप अपने जिंदगी के महत्वपूर्ण चरण में है। जीवन की इस चरण के महत्व को समझें और इसका उपयोग सही दिशा में करें। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों का सही उपयोग करेंगे तो आप जो हासिल करना चाहते हैं वो हासिल कर सकते हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षों में आप अपने व्यक्तित्व संस्कार एवं लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मेहनत करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ ही खेलकूद से प्रतिभा निखरती है, साथ ही विभिन्न आयोजनों से प्रतिभा को मंच मिलता है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं से अभी से लक्ष्य निर्धारित करने, लक्ष्य के अनुसार अपने में गुणवत्ता विकसित करने की बात कही। साथ ही लक्ष्य प्राप्ति के लिए रणनीति बनाकर लगातर लक्ष्य प्राप्ति तक प्रयासरत रहें। इसके साथ ही उन्होंने अपने जीवन के अनुभव को साझा भी किया। साथ ही सभी खिलाड़ियों व आयोजको को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित विद्याभारती मध्य क्षेत्र स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। इसके साथ ही अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व संस्कृति एवं देशभक्ति पर आधारित प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम उपरांत प्रभारी मंत्री, जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर, एसपी ने सभी विजेताओं खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान विधायक जांजगीर-चांपा ब्यास नारायण कश्यप, पूर्व विधायक अम्बेश जांगड़े, कलेक्टर आकाश छिकारा, एसपी विवेक शुक्ला, देवनारायण साहू, चन्द्रशेखर देवांगन, डॉ शांतिकुमार सोनी, गुलाब सिंह चंदेल, कार्तिकेश्वर स्वर्णकार, इंजी. रवि पाण्डेय, कमल देवांगन, प्रदीप नामदेव, सलीम मेमन सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, स्कूल के प्राचार्य, अध्यापक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

राज्य खेल अलंकरण समारोह में पुरस्कृत साइकिल पोलों के खिलाड़ियों का सम्मान

खिलाड़ियों ने जीते कुल 9 लाख 20 हजार रुपए के पुरस्कार, योगेश्वर साहू को मिला शहीद कौशल यादव पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा प्रगति भवन सिविक सेंटर में राज्य खेल अलंकरण समारोह में पुरस्कार प्राप्त साइकिल पोलो के राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। खेल एवं युवा कल्याण छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खेल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य अतिथि में रायपुर में 29 अगस्त को खेल अलंकरण पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें साइकिल पोलो में वर्ष 2021..22 तथा 2022-23 में बीएसपी साइकिल पोलो क्लब के 71 खिलाड़ियों को विभिन्न वर्गों में राष्ट्रीय पदक विजेता होने पर कुल राशि रुपए 9 लाख 20 हजार नगद पुरस्कार के रूप में प्राप्त हुई।

छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के अध्यक्ष रमेश श्रीवास्तव व भारतीय साइकिल पोलो महासंघ के संयुक्त सचिव विनायक चन्नावार ने एक संयुक्त विज्ञप्ति में बताया कि अध्यक्ष बीएसपी साइकलिंग क्लब तथा बीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं सैफी चेयरमैन नरेंद्र बंछोर तथा भिलाई इस्पात संयंत्र साइकिल पोलो क्लब के अध्यक्ष परविंदर सिंह तथा उनकी टीम ने इस अवसर पर प्रमोद सिंह (सांसद प्रतिनिधि) ने विशेष रूप से उपस्थित होकर खिलाड़ियों की हौसला आफ्जाई की। वर्ष 2021-22 में छत्तीसगढ़ सब जूनियर बालक एवं सब जूनियर बालिका, जूनियर बालक एवं जूनियर बालिका तथा सीनियर महिला दल सभी को राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। इसी प्रकार पुन: 2022-23 में भी उक्त सभी वर्गों में छत्तीसगढ़ दल पुन: राष्ट्रीय चैंपियन रहा। छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के मुख्य प्रशिक्षक ,अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी देव प्रकाश वर्मा है। इस अवसर पर खेल संघ के पदाधिकारी ईवी सुनील ,संदीप नंदनवार, अरविंद तिवारी, जगजीत सिंह धीर, श्रीमती गुप्ता, तोशेंद्र वर्मा, मदन सेन, प्रतीक मनोध्या, सोमनाथ श्रीवास, देव प्रकाश वर्मा, सुभाष तिनगुरिया, विनायक चन्नावार एवं शैलेंद्र कुमार उपस्थित थे। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाइयां दी तथा उनके उज्जवल भविष्य के कामना की।

2021-22 में राष्ट्रीय चैंपियन होने पर

सब जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग को खेल अंकुर स्वर्ण अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित कर प्रत्येक खिलाड़ी को 10,000 रुपए की नगद राशि प्रदान की गई। जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग को राष्ट्रीय विजेता होने पर खेल गौरव स्वर्ण अलंकरण से सम्मानित कर प्रत्येक को रुपए 15,000 नगद राशि प्रदान की गई। सीनियर महिला दल को राष्ट्रीय विजेता होने पर खेल शिखर स्वर्ण अलंकार से सम्मानित कर प्रत्येक खिलाड़ी को रुपए 25,000 प्रदान किए गए। 2022-23 में राष्ट्रीय चैंपियन होने पर सब जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग को खेल अंकुर स्वर्ण अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित कर प्रत्येक खिलाड़ी को 10,000 रुपए की नगद राशि प्रदान की गई । जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग को राष्ट्रीय विजेता होने पर खेल गौरव स्वर्ण अलंकरण से सम्मानित कर प्रत्येक को रुपए 15,000 नगद राशि प्रदान की गई।

दो दिव्यांग छात्रों को मिली ट्रायसिकल

कांकेर। कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के द्वारा आज जिला पंचायत परिसर में जिले के दो दिव्यांग छात्रों को ट्रायसिकल प्रदान किया गया। उप संचालक समाज कल्याण विभाग ने बताया कि नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम देवरी बालाजी निवासी छात्र संतु शोरी 90 प्रतिशत दिव्यांग हैं।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

सुकमा में पुलिस को मिली बड़ी सफलता : महिला सहित 5 नक्सलियों ने किया सरेंडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ में सरकार द्वारा चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान को लगातार सफलता मिल रही है। अभियान के कारण नक्सली या तो सरेंडर कर रहे हैं या फिर गिरफ्तार हो रहे हैं। इसी कड़ी में सुकमा में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। यहां एक महिला सहित पांच नक्सलियों ने सरेंडर किया है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में दो नक्सलियों पर एक-एक लाख रुपए का इनाम घोषित है। नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित कराने में डीआरजी फॉक्स, अल्फा, नक्सल सेल एवं 131 वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा का विशेष प्रयास रहा है।

इस संबंध में सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की ''छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति एवं ''नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों के द्वारा भेदभाव करने तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा से तंग आकर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने की उद्देश्य से नक्सली संगठन में सक्रिय एक महिला सहित कुल पांच नक्सलियों ने सरेंडर किया है।

एसपी किरण चौहान ने बताया कि सरेंडर करने वाले सभी नक्सली प्रतिबंधित संगठन में जुड़कर विभिन्न नक्सली गतिविधियों जैसे पुलिस गस्त पार्टी की रेकी कर हमला करना, पुलिस पार्टी के आने-जाने वाले मार्गों पर स्पाईक व बम लगाना, मुख्य मार्गों को खोदकर मार्ग अवरूद्ध करना, शासन-प्रशासन के विरूद्ध बेनर, नक्सली पर्चा-पाम्पलेट लगाने एवं अन्य घटनाओं में शामिल रहे हैं।

इन नक्सलियों ने किया सरेंडर

- महिला पोड़ियाम बुधरी पत्नी सन्ना उम्र लगभग 45 वर्ष जाति मुरिया निवासी दुरमा थाना कोंटा जिला सुकमा।
- मल्लम देवा पुत्र मुत्ता उम्र लगभग 30 वर्ष जाति दोरला निवासी सिंगाराम थाना गोलापल्ली जिला सुकमा।
- करटम हड़मा पुत्र हिड़मा उम्र लगभग 47 वर्ष जाति मुरिया निवासी गोंदीगुड़ा थाना गोलापल्ली जिला सुकमा।
- माड़वी जोगा पुत्र कोसा उम्र लगभग 25 वर्ष जाति मुरिया निवासी गोंदीगुड़ा थाना गोलापल्ली जिला सुकमा।
- दूधी जोगा पुत्र हड़मा (सिंगाराम आरपीसी मिलिशिया सदस्य) उम्र लगभग 35 वर्ष जाति मुरिया निवासी अरलमपल्ली थाना पोलमपल्ली जिला सुकमा।

खास खबर

पिकअप की टक्कर से ऑटो चालक की मौत, 23 लाख मुआवजा देने का आदेश

बिलासपुर। पिकअप की टक्कर से एक ऑटो चालक की मौत हो गई। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने बीमा कंपनी को आदेशित किया है कि वह मृतक के परिजनों को 23 लाख, 46 हजार, 330 रुपए आर्थिक क्षतिपूर्ति का भुगतान करे। मृतक नरेंद्र देवांगन (38 वर्ष) रायपुर का रहने वाला था। घटना 8 सितंबर 2022 की रात 10 बजे की है। वह सांस्कृति कार्यक्रम देखकर अपने साथी के साथ ऑटो में सवार होकर बलौदा बाजार से लौट रहा था। रात में वे लोग खाना खाने के लिए बायपास लवन की ओर जा रहे थे।

इस समय संजू ढाबा के पास पिकअप सीजी-22, डब्ल्यू-4517 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक गाड़ी चलाते हुए ऑटो को टक्कर मार दी। इस हादसे में घायल नरेंद्र की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने पिकअप चालक, मालिक व आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस को उत्तरवादी बनाते हुए क्षतिपूर्ति के लिए दावा प्रस्तुत किया।

वाहन ने स्कूटी को मारी ठोकर, किशोरी की मौत, भाई गंभीर

कोरबा। शहर के राताखार बायपास पर जश्न रिसॉर्ट के पास शनिवार रात करीब 10.30 बजे तेजरफ्तार वाहन ने स्कूटी को ठोकर मार दी। स्कूटी में दर्री रोड रामसागरपारा निवासी व डीडीएम रोड स्थित शिव ग्लास के संचालक रमेश गोधवानी की बेटी नीलम गोधवानी (18) अपने भाई गिरीश गोधवानी के साथ सवार थी। दुर्घटना में वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। नीलम को सिर के पीछे गहरा चोट पहुंचा था और गिरीश के सिर, पैर व शरीर में कई जगह चोट पहुंची। उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने नीलम को मृत घोषित कर दिया। गिरीश को उपचार के लिए भर्ती कर लिया गया। दोनों भाई-बहन घटना के दौरान बायपास मार्ग से घर लौट रहे थे।

सूने मकान से हजारों रुपए के सामान पार

रायपुर। हाउसिंग बोर्ड कालोनी सेजबहार स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने हजारों रुपए के सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर मुजगहन पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी विकाश पंचोरी 35 वर्ष हाउसिंग बोर्ड कालोनी सेजबहार का रहने वाला है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने प्रार्थी के सूने मकान का ताला तोड़कर घर से 1 नग टीवी व मोबाइल फोन पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 8 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर मुजगहन पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चरित्र शंका में पत्नी की हत्या: सोते समय पैरो में वायर बांधकर लगा दिया करंट

■ **पांडातराई थाना क्षेत्र का मामला, पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि के बाद आरोपी पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। कबीरधाम जिले में पति ने पत्नी की बिजली करंट का शॉक लगाकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना 10 दिन पुरानी है। हत्या के बाद आरोपी पति ने इसे हादसे का रूप देने का प्रयास किया। जिसमें पुलिस मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया। पीएम रिपोर्ट में पति के झूठ से परदा उठ गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा मामला जिले के पांडातराई थाना क्षेत्र के ग्राम लालपुर कला का है।

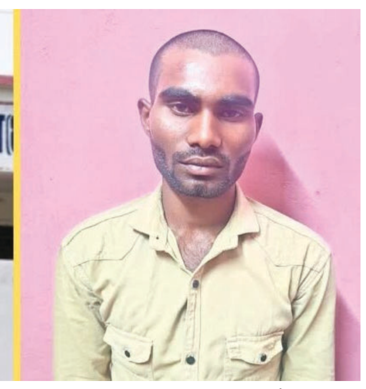

एडिशनल एसपी पुष्पेंद्र बघेल ने बताया कि प्रार्थी संतकुमार पिता पूरन बर्मन उम्र 45 निवासी ग्राम लालपुर कला थाना पांडातराई में ग्राम कोटवार के साथ आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी बहु मृतिका चंद्रकांता बर्मन पति धनुक बर्मन उम्र 23 साल रात को कमरे का दरवाजा बंद कर सोई हुई थी। 21 अगस्त की सुबह 6.30 बजे आवाज देने पर नहीं उठने से कमरा का दरवाजा तोड़कर अंदर देखा की बहू अपने कमरे के पलंग पर सोई हुई है, जिसे उठाने पर नहीं उठने पर पास में जाकर देखा तो घर के अंदर बिजली का बोर्ड उसके ऊपर गिरा हुआ था। बहु की मौत हो गई थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई हत्या की पुष्टी

इस मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर पीएम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा। पीएम रिपोर्ट में बिजली करंट से मृत्यु होना पाया गया। मृतिका के पति धनुक बर्मन पिता संतकुमार बर्मन उम्र 22 साल निवासी लालपुर कला से बारिकी से पूछताछ किया गया, जिसके आधार पर यह पाया गया कि मृतिका चंद्रकांता बर्मन और आरोपी पति धनुक बर्मन के साथ दो साल पहले लव मैरिज किए है। दोनों एक ही गांव-समाज के रहने वाले है। दोनों का घर 50 मीटर के आस-पास है। आरोपी धनुक बर्मन ठेकेदारी अंतर्गत बिजली कंपनी में ग्राम कुम्ही फीडर में काम करता है। शादी के बाद से ही दोनों का दाम्पत्य जीवन ठीक नहीं चल रहा था। आरोपी धनुक बर्मन अपनी मृतिका पत्नी चंद्रकांता के चरित्र के ऊपर शक करता था। 20 अगस्त की रात दोनों पति-पत्नी कमरे में जब सोने गए तब आरोपी अपनी पत्नी की चरित्र शंका को लेकर विवाद शुरू कर दिया। इसके बाद धनुक ने पत्नी को जिंदगी से हमेशा के लिए हटाने की प्लानिंग करते हुए सो गया।

आधी रात की हत्या

रात दो बजे उठकर उसकी पत्नी गहरी नींद में थी, तब पत्नी चंद्रकांता को जान से मारने की नियत से बिजली करंट वायर से दोनो पैर में बिजली करंट लगा दिया। इसके बाद आरोपी ने अपनी पत्नी को मरी है या नहीं मरी है सोचकर उसका गला दबाया और चादर ओढा दिया। वायर और बिजली बोर्ड को इस तरीके से बिस्तर में फैला दिया ताकि लगे की पत्नी की करंट लगने से मौत हुई है। उसके बाद आरोपी द्वारा उस कमरे से निकलकर दरवाजा से लगे दिवाल में बने छेद में हाथ घुसाकर अंदर से सिटकनी लगा दिया और बाहर खाट बिछाकर सो गया। एक सितंबर रविवार देर रात आरोपी धनुक बर्मन के खिलाफ धारा - 103(1), 238(क) बीएनएस का घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।आरोपी को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। आज दो सितंबर सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा के गृह जिले में शुरू हुई रात्रिगश्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले से कवर्धा विधायक व डिप्टी सीएम गृह मंत्री विजय शर्मा के गृह जिले में बीती रात से पुलिस ने नाइट बाइक पेट्रोलिंग अभियान शुरू किया है। रात में घूमने वाले युवकों की पुलिस ने क्लास लगाई। दर्जन भर युवकों को उठक बैठक कराई गई। साथ ही लाठी मारकर दुबारा रात में घूमने नहीं निकले की बात कही है।

कबीरधाम एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने बताया कि लगातार लोगों से अपील किया जा रहा है कि रात में जबरदस्ती बाहर न निकले। इसके बाद भी कई युवा रात में ही घूमने निकल जाते है। ऐसे में आज रात को नाइट बाइक पेट्रोलिंग कर समझाइश दी गई है। जिले में कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आउटर एरिया में ऐसे लोगों की क्लास लगाई है। पुलिस ने इस तरह की गलती पर सार्वजनिक उठक बैठक कराकर छोड़ दिया है। शहर में किसी भी तरह से कानून तोड़ने वाले को छोड़ा नहीं जाएगा। शहर के सुनसान जगह पर नवयुवक-युवती और प्रेमी जोड़े बैठे रहते हैं, जो बिल्कुल सही नहीं है। अपराध हमेशा सुनसान इलाकों में होता है। अक्सर इन इलाकों में आपराधिक घटनाएं नशे में होती हैं। आपराधिक तत्व अकसर इन जगहों पर घूमते रहते हैं।

एसपी डॉ.अभिषेक पल्लव ने कहा कि अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस ने कई जगहों पर दबिश दी है। फिलहाल, इन जगहों पर लोगों को चेतावनी देकर छोड़ा गया है।

भिलाई में 2 बाइक की भिड़ंत में युवक की मौत, अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम

■ **उमदा रोड पर हादसा: घायल दोस्त इलाज के बाद डिस्चार्ज**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई में 2 बाइक की जबरदस्त भिड़ंत में एक बाइक सवार की मौत हो गई। वहीं साथ में बैठा युवक घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के बाद युवक को डिस्चार्ज कर दिया गया है। पूरा मामला भिलाई तीन थाना क्षेत्र के उमदा रोड का है।

मिली जानकारी के मुताबिक हादसे में मरने वाले का नाम मित्तू सांगा है, जो मिनी माता चौक के खुर्सीपार का रहने वाला था। मित्तु सांगा अपने दोस्त के साथ उमदा रोड से भिलाई तीन की तरफ से आ रहा था। उसके साथ दूसरी बाइक में उसके रिश्तेदार थे।इस दौरान अचानक मित्तू की बाइक उसके रिश्तेदार की बाइक से टकरा गई। सभी लोग रोड में जा गिए। हादसे में मित्तू और पीछे बैठे उसके दोस्त को चोट आई। साथ चल रहे रिश्तेदारों ने तुरंत 112 को फोन कर बुलाया। गंभीर चोट आने से मित्तू और उसके दोस्त तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन मित्तू ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। रात अधिक हो जाने के चलते पुलिस ने शव को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला स्थित मॉर्चुरी में रखवा दिया है। मंगलवार को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमॉर्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंपा गया।

बिलासपुर में महिला ने नदी में कूदकर की खुदकुशी, ससुराल पक्ष ने लगाया था चोरी का आरोप, 10 किमी दूर डैम में मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के अरपा नदी में छलांग लगाकर खुदकुशी करने वाली महिला की लाश मिल गई है। बताया जा रहा है कि शनिचरी रपटा से बहकर महिला 10 किलोमीटर दूर पहुंच गई थी। स्थ्रत्र की टीम ने तीसरे दिन लाश को बरामद किया है। पूरा मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

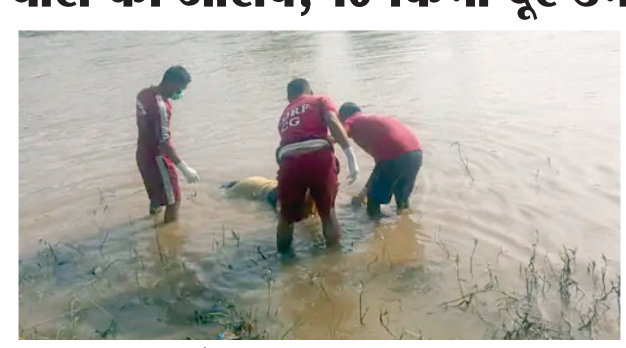

मिली जानकारी के मुताबिक स्थ्रत्र की टीम को महिला की लाश तोरवा थाना क्षेत्र के दोमुहानी चेक डेम में मिली है। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। महिला साहिला चंद्राकर ससुराल पक्ष लगाए गए चोरी के आरोप से आहत थी।

दरअसल, टिकरापारा में रहने वाली साहिला चंद्राकर का ससुराल चकरभाठा में है। वह अपने पति सुनील वाधवानी के साथ रहती थी। शादी के बाद से ससुराल वाले उसे आए दिन प्रताड़ित करते थे, जिससे साहिला परेशान रहती थी। मृतिका की बड़ी बहन सोनी मानिकपुरी ने बताया कि कुछ दिन पहले ससुरालवालों ने साहिला पर पैसे और गहने चोरी का आरोप लगाया था। इसके बाद वह मायके आ गई थी। टिकरापारा में रह रही थी। रविवार की देर शाम साहिला और पति सुनील से फोन पर फिर विवाद हुआ था।

अंकित कैवर्त ने बताया कि वह नदी के पास टहलने के लिए आया था। इस दौरान साहिला रपटा पर कुछ देर तक खड़ी थी। इसके बाद उसने सीधे नदी में छलांग लगा दी। अंकित ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। अंधेरा होने के कारण पुलिस के जवान नदी के किनारे कुछ देर तक तलाश किए, लेकिन लाश उन्हें नहीं मिली थी। पुलिस ने सोमवार की सुबह से SDRF की टीम को सूचना दी थी। SDRF की टीम नदी के बीच गहराइयों में महिला की तलाश कर रही थी। इसके बाद स्थ्रत्र की टीम ने तीसरे दिन डैम से महिला की लाश को बरामद किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हसदेव नदी में मां संग 10 माह का मासूम बहा, महिला बची, बच्चा लापता

■ **बांगो थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत पाथाकछार गांव के पास हसदेव नदी के सिरकी घाट की घटना**

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। हसदेव नदी में नहाते समय महिला के पास खेल रहा उसका 10 माह का बच्चा रेंगते हुए पानी के पास पहुंचा और डूब गया। उसे बचाने के दौरान मां भी तेज बहाव में बहने लगी। पास मौजूद चरवाहों ने महिला को बचा लिया। पर बच्चा नहीं मिला।

हादसा बांगो थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत पाथाकछार गांव के पास हसदेव नदी के सिरकी घाट पर हुआ। जहां 25 वर्षीय सुनीता अपने 10 माह के पुत्र दुष्यंत को लेकर नहाने के लिए पहुंची थी। महिला नदी में उतरकर नहा रही थी। वहीं उसका पुत्र नदी के किनारे खेल रहा था। इस दौरान बच्चा रेंगते हुए नदी की ओर चला गया।

वह जब पानी में डूबा, तब महिला की नजर पड़ी। वह उसे बचाने तेज बहाव के बीच मौके पर खोजबीन करने लगी। बच्चे के नहीं मिलने पर वह मूर्छित होकर नदी में बहने लगी। इस दौरान नदी के किनारे चरवाहों की नजर पड़ी तो उन्होंने नदी में कूदकर महिला को निकाला।

उसके पेट में जा चुके पानी को बाहर निकाला तो उसे होश आया। उठने पर वह बच्चे के बारे में पूछने लगी। किसी तरह से उसे शांत कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम गोताखोरों को लेकर मौके पर पहुंची, जहां बांगो बांध से पानी का बहाव कम कराकर नदी में लापता हुए बच्चे की खोजबीन की जा रही है। नगर सेवा के रेस्क्यू टीम के प्रभारी पीबी सिद्धार्थ ने बताया कि घटना की सूचना मिलते हैं टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कार्य शुरू किया। बांगो डैम के कुछ ही दूरी पर घटना स्थल है। जहां गांव से लगा हुआ हैए बांगो डेम से गेट खुले गए हैं। जिसके चलते पानी का तेज बहाव होने के कारण बच्चा काफी आगे बढ़ जाने की संभावना जताई जा रही है फिर भी घटना स्थल से लेकर दर्री डेम तक लगभग 18 किलोमीटर तक वोट के माध्यम से तलाश की गई। लेकिन बच्चे का पता नहीं चल सका। संभावना जताई जा रही है कि जलकुंभी या फिर पानी में बहने के कारण आगे बढ़ गया होगा। तलाश जारी है।

अत्याधिक शराब पीने से युवक की मौत, बार के सामने बाइक से गिरा, सिर पर लगी चोट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राजधानी बार के सामने सोमवार सुबह एक युवक की लाश मिली है। बताया जा रहा है कि सिर के पीछे चोट आई है। इसे लेकर कई तरह की आशंका जताई जा रही है। पूरा मामला जामुल थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान दिनेश यादव (40 साल) के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला भेजा है।

मृतक के भाई मोनू यादव ने बताया कि 3 सितंबर की सुबह 9 बजे उनके कॉलोनी के कुछ लोगों ने बताया कि राजधानी बार के सामने आपके भाई की लाश पड़ी है। वह लोग वहां पहुंचे। शव की पहचान की। दिनेश राजधानी बार के पीछे शासकीय स्कूल के पास स्थित एक कॉलोनी में अपने ससुराल में रहता था। मृतक के भाई ने बताया कि उसके दो बच्चे हैं। पत्नी परागा यादव हाउस वाइफ है। दिनेश फौजी नगर में स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था। वह रविवार रात घर से ड्यूटी जाने की बात कहकर निकला था। ड्यूटी न जाकर शराब पीने के लिए बार में बैठ गया।

लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में जब दिनेश का पोस्टमॉर्टम किया गया। डॉक्टर ने आशंका जताई है कि खाली पेट उसने काफी अधिक मात्रा में शराब पी। बताया जा रहा है कि युवक बाइक से सिर के बल गिरा है, जिससे उसे चोट आई है। इन दोनों वजहों से ही उसकी मौत हुई होगी। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

पोषण रथ को सीएम ने दिखाई हरी झंडी, कहा,-

सुपोषित छत्तीसगढ़ के लिए कृतसंकल्पित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यहां अपने निवास में आयोजित तीजा पोरा तिहार के अवसर पर महिला एवं बाल विकास द्वारा संचालित पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह सुपोषण रथ राज्य के विभिन्न गांवों में भ्रमण कर लोगों को पोषण का संदेश देगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, किरण देव, विधायक सर्वश्री राजेश मूणत, अनुज शर्मा, खुशवंत साहेब, सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती शम्मी आबिदी, संचालक तूलिका प्रजापति और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं महिलाएं उपस्थित थी।

इस रथ में सुपोषण पर केंद्रित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। सुपोषण रथ के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलो में पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी ऑडियो, वीडियो संदेशों का प्रसारण किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि स्वस्थ और सुपोषित छत्तीसगढ़ की अवधारणा को साकार करने के लिये हम कृत संकल्पित है। कुपोषण एवं एनीमिया जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिये छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गंभीर प्रयास किये जा रहे हैं। 52 हजार से अधिक आंगनबाडी केन्द्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, शिशुवती महिलाओं, 0 से 06 साल के बच्चें किशोरी बालिकाओं को स्वास्थ्य पोषण संबंधी सेवाओं का प्रदाय किया जा रहा है। सुपोषण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये समुदाय, परिवार एवं व्यक्यिगत स्तर से सकरात्मक व्यवहार परिवर्तन भी बहुत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनसमुदाय तक स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता संबंधी संदेशों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु 01 से 30 सितम्बर तक पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है, ताकि एक जन आंदोलन के रूप में सुपोषण की यात्रा में समुदाय के विभिन्न घटक सहभागी हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि पोषण माह के दौरान इस वर्ष एनीमिया वृद्धि निगरानी, पूरक पोषण आहार, पोषण भी पढ़ाई भी, गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदाय हेतु तकनीक का प्रयोग और समग्र पोषण पर ध्यान केंदित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के जनप्रतिनिधि, पंचायती राज संस्था की प्रतिनिधि, महिला स्व-सहायता समूहों, प्रबुद्ध वर्ग, विद्यार्थी वर्ग, सर्वाजनिक एवं निजी क्षेत्रों के निकायों के प्रतिनिधियों एवं समस्त जनसमुदाय से आह्वान किया है कि पोषण माह की गतिविधियों में पूरे उत्सह और ऊर्जा के साथ सहभागी बने। छत्तीसगढ़ को कुपोषण एवं एनीमिया मुक्त करने का संकल्प लेते हुए स्वयं भी सही पोषण व्यवहार को अपनाये और अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी के सम्मिलित प्रयासों से मजबूत छत्तीसगढ़ की नींव रखी जायेगी, हमारे प्रदेश का भविष्य संवरेगा और सुपोषित होगा।

छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बना रही साय सरकार- राजवाड़े

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित 'विष्णु भैया संग तीजा-पोरा' कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े शामिल हुई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि विष्णु देव सरकार लगातार महिलाओं को सशक्त बनाने और किसानों को फसल का सही दाम देकर छत्तीसगढ़ को विकसित बना रही है। साथ ही मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने सखी सेंटर, नारी निकेतन, शक्ति सदन, महिला हेल्पलाइन नंबर के बारे में भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सुपोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया एवं राष्ट्रीय पोषण माह के पोस्टर का विमोचन भी किया। सुपोषण रथ राज्य के विभिन्न गांव में भ्रमण कर लोगों को पोषण का संदेश देगा। इस रथ में सुपोषण पर केंद्रित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। सुपोषण रथ के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों में पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधित ऑडियो वीडियो संदेशों का प्रसारण किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पोषण माह के दौरान इस वर्ष एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक पोषण आहार, पोषण भी और पढ़ाई भी, गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदाय हेतु तकनीक का प्रयोग और समग्र पोषण पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जन समुदाय तक स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता संबंधित संदेशों के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु 1 से 30 सितंबर 2024 तक पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है ताकि एक जन आंदोलन के रूप में सुपोषण की यात्रा में समुदाय की विभिन्न घटक सहभागी हो सके।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि प्रदेश में 52000 से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, शिशुवती महिलाओं, 0 से 06 साल तक के बच्चे, किशोरी बालिकाओं को स्वास्थ्य पोषण संबंधित सेवाएं प्रदाय की जा रही हैं। सुपोषण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समुदाय, परिवार एवं व्यक्तिगत स्तर से सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन भी बहुत आवश्यक है ।

मुख्यमंत्री निवास में माताओं-बहनों के लिए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक कलाकार आरु साहू सहित अन्य कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति पर माता-बहनों ने जमकर नाच गाकर पोरा तिहार का लुफ्त उठाया। महिलाओं के हाथों में मेहंदी बनाई जा रही थी और वहीं उन्हें लाख की चूड़ियां भी भेंट की गई।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वनमंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय, विधायक राजेश मूणत, अनुज शर्मा, गुरू खुशवंत साहेब, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, गजेंद्र यादव, इंद्रकुमार साहू सहित अन्य अधिकारी और महिलाएं मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने किया गौ विज्ञान परीक्षा के पोस्टर का विमोचन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में स्कूली एवं कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए गौ विज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का श्रीगणेश पोला पर्व की पूर्व संध्या पर पोस्टर विमोचन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में मुख्यमंत्री निवास में आयोजित की गई। परीक्षा आयोजन की जानकारी देते हुए प्रांत संयोजक इरन्ना सपारे एवं प्रांत परीक्षा प्रमुख सुबोध राठी ने बताया कि विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर आयोजित यह परीक्षा 11 दिसंबर गीता जयंती के दिन पूरे प्रांत में एक साथ होगी। पूरे प्रदेश में 5 लाख विद्यार्थी इस परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

परीक्षाओं में हर श्रेणी में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागियों को 12 जनवरी को आयोजित प्रदेश स्तरीय गौ सेवा संगम कार्यक्रम में पुरुस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य स्कूली एवं कॉलेज के विद्यार्थियों के बीच गाय के प्रति प्रेम भाव जागृत करना है। साथ ही वर्तमान पीढ़ी को गाय का धार्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व समझाना है। आज एक बहुत बड़ी पीढ़ी गाय से विमुख है जिसके कारण कहीं ना कहीं समाज गोपालन से विमुख हो रहा है। जिसके

परिणाम स्वरूप गाय सड़कों पर है। गायों के सड़कों पर आने से रोज सैकड़ों सड़क दुर्घटनाएं घट रही है, जिसमें न सिर्फ गोवंश अपितु इंसानों की भी लगातार मौत हो रही है। गायों का स्थान किसान का घर है न की सड़क। गाय सिर्फकिसान के घर ही सुरक्षित रह सकती है। उन्होंने बताया कि गाय के सभी विषयों को लेकर आने वाले 5 महीने व्यापक जन जागरण अभियान संस्था के द्वारा चलाया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने की घोषणाः मड़ियापार में पोला महोत्सव के लिए हर साल मिलेंगे 5 लाख

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सोमवार को दुर्ग जिले के ग्राम मड़ियापर में आयोजित पोला महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि सम्मलित हुए। उन्होंने बैल दौड़ को हरी झण्डी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और शास्त्री नवयुवक मंडल मड़ियापार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में छत्तीसगढ़ की पुरातन संस्कृति एवं पारम्परिक खेलों का संगम प्रदर्शित किया गया।

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ग्रामवासियों को पोला तिहार की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मड़ियापार के बैल दौड़ के बारे में बहुत सुनने को मिला था आज इसे देखने का भी अवसर मिला। उन्होंने कहा कि पोला तिहार किसानों का खेती किसानी से जुड़ा सबसे बड़ा त्योहार है। यह हमारे

जीवन में खेती किसानी और पशुधन का महत्व बताता है। इस दिन घरों में उत्साह से नादिया बैल और जाता पोरा की पूजा कर अच्छी फसल और घर में धन धान्य से परिपूर्ण के लिए प्रार्थना की जाती है। यह छत्तीसगढ़ की परम्परा, संस्कृति और लोक जीवन की गहराइयों से जुड़ा पर्व है। किसानों के हितों को ध्यान में रखकर केन्द्र और राज्य सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश की 70 लाख माताएं-बहनों को तीजा-पोरा त्यौहार के मौके पर महतारी वंदन योजना के तहत सातवीं किश्त की राशि महिलाओं के खातों में अंतरण किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों के आय दोगुना करने सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए राज्य में 13 लाख किसानों को धान का दो वर्ष के बकाया बोनस के रूप में 3716 करोड़ का भुगतान किया गया हैं। इसके साथ ही किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की गई है। इसी प्रकार तेन्दूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक 4 हजार से बढ़ाकर 5500 रूपए प्रति मानक बोरा किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पारम्परिक त्योहारों का सरंक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी ऐसे आयोजन पर जोर दिया। इस अवसर पर उन्होंने पोला महोत्सव कार्यक्रम स्थल पर डोम निर्माण, मड़ियापार में सामुदायिक भवन निर्माण, पोला महोत्सव आयोजन के लिए प्रति वर्ष 5 लाख रूपए तथा ग्राम लिटिया में जिला सहकारी बैंक शाखा खोलने की घोषणा की।

सांसद विजय बघेल कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पोला महोत्सव से मड़ियापार को प्रदेश में पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में बहुत से तीज त्योहार मनाते आ रहे है। इन त्योहारों से यहां प्रेम और सद्भावना बढ़ी है। उन्होंने पोला त्योहार की सभी को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, क्षेत्रीय विधायक ईश्वर साहू ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक जागेश्वर साहू, लाभचंद बाफना एवं अवधेश सिंह चंदेल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, आयोजन समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

लखपति दीदीयों को प्रमाणपत्र देकर किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा उप मुख्यमंत्री व जिले के प्रभारीमंत्री विजय शर्मा ने राजनांदगांव जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत उत्कृष्ठ कार्य करने वाली जिले की लखपति दीदीयों का लखपति प्रमाण पत्र प्रदाय कर सम्मानित किया। ये महिलाएं, जिन्होंने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से छोटे-छोटे व्यापार शुरू करके अपनी और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार

किया है, उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। राजनांदगांव जिले के ग्राम पंचायत टेड़ेसरा में सीआरजीबी बैंक में कार्यरत बैंक मित्र श्रीमती कीर्ति यादव द्वारा महज 15 दिन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा छोटे-छोटे व्यापार की शुरूआत की योजना प्रधानमंत्री मुद्रा स्वयं सिद्धा योजना के तहत जरूरतमंद 54 बिहान समूह सदस्यों को मुद्रा स्वयं सिद्धा ऋण का प्रकरण तैयार कर राशि का वितरण कराया है। जिससे समूह के सदस्य अपने स्वयं के छोटे-छोटे व्यापार प्रारम्भ कर सके साथ ही श्रीमती कीर्ति यादव स्वयं भी समूह से जुड़कर लखपति दीदी बन चुकी हैं। इसी प्रकार ग्राम पार्रीखुर्द की समूह सदस्य श्रीमती दिव्या निषाद एवं ग्राम तोरणकट्टा की श्रीमती चंद्रकला यादव ने बिहान समूह से जुड़कर अपने व अपने परिवार को गरीबी से ऊपर उठाकर आजीविका प्रारम्भ करते हुए अपने व अपने परिवार की वार्षिक आय एक लाख रूपए से अधिक करते हुए लखपति दीदी बन गई है।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से मरीजों को तत्काल मिल रही है सहायता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जशपुर जिले में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयासों से जिले में स्वास्थ्य मितान हेल्पलाइन नंबर +91-9343992744 का संचालन किया जा रहा है। स्वास्थ्य मितान हेल्पलाइन प्रत्येक समय मरीज के स्वास्थ्य संबंधित परेशानी के समाधान हेतु उपलब्ध है।

विकासखंड, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला चिकित्सालय से संबंधित मरीजों को तत्काल स्वास्थ्य संबंधी लाभ उपलब्ध कराया जाना स्वास्थ्य मितान हेल्पलाइन का उद्देश्य है। इस योजना के अंतर्गत जशपुर जिले के अंतर्गत ही नहीं बल्कि मरीज-हितग्राहियों को जिले के बाहर रायपुर अन्य नजदीकी जिले अंबिकापुर, रायगढ़ तथा अन्य राज्य जैसे रांची में भी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु स्वास्थ्य मितान हेल्पलाइन द्वारा कार्य किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत फरवरी 2024 से अगस्त माह तक 1 हजार 23 मरीजों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया गया है।

विदित हो कि सर्वप्रथम आवेदक अपना आवेदन बगिया कैंप कार्यालय में प्रस्तुत करते हैं। आवेदन प्रस्तुत होने के पश्चात 5 मिनट के अंदर कार्यवाही की जाती है। दूरभाष द्वारा संपर्क कर संपूर्ण जानकारी ली जाती है और स्वास्थ्य संबंधित निराकरण हेतु अन्य संबंधित चिकित्सा अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारी से संपर्क किया जाता है।

अंतिम ग्राम पंचायत तक पहुंचे वाई-फाई : डॉ. रमन सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की उपस्थिति में उप मुख्यमंत्री एवं राजनांदगांव जिले के प्रभारीमंत्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में राजनांदगांव जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सांसद संतोष पाण्डेय भी उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने जिले के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि जिले के अंतिम ग्राम पंचायत तक वाई-फाई की सुविधा पहुंची चाहिए। वाई-फाई की सुविधा होने से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कभी भी सरपंच एवं सचिव से बात हो सकेगी। इसके लिए जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने कहा

कि जिले में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अमृत मिशन योजना तथा पंप लगने के बाद टैंक तक पानी पहुंचाने के लिए कहा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में लो-वोल्टेज की समस्या को देखते हुए ट्रांसफार्मर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुनरूद्धार वितरण क्षेत्र योजना के अंतर्गत मद में प्राप्त राशि लैप्स हो जाने के कारण विकास कार्य बाधित होने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि समय पर कार्य नहीं करने वाले कंपनी, कान्ट्रेक्टर को कैसिंल करें या ब्लैक लिस्ट करें।

डॉ. सिंह ने कहा कि गौठानों में चल रहे रीपा एवं चारागाह का बेहतर उपयोग करते हुए यह तय करें कि गौठान का और अच्छा उपयोग कैसे किया जा सकता है। ग्राम सभा में गौठान के संबंध में निर्णय लेते हुए कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महत्वाकांक्षी योजना है और इसका क्रियान्वयन अच्छी तरह से गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। जल जीवन के मिशन अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों को शीघ्र ही पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व के प्रकरणों का निराकरण शिविर लगाकर करने के निर्देश दिए तथा अविवादित नामांतरण एवं बटवारा के प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण करने के लिए कहा।

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि अधिकारी नवाचार के साथ ही गुणवत्तापूर्ण कार्य करें। प्रशासन द्वारा शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन जनसामान्य के हितों को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक स्थिति के लिए कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सक्रियता के साथ प्रशासनिक अमले को कार्य करने की आवश्यकता है। शत-प्रतिशत मोबाइल नेटवर्क के माध्यम से जिले में वाई-फाई की व्यवस्था होनी चाहिए। पंचायती राज व्यवस्था में वीडियो कान्फ्रेंसिंग की सुविधा मिलने से प्रत्यक्ष तौर पर जनसामान्य से जुड़ सकेंगे। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को अवैध शराब पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लखपति योजना अंतर्गत सीएलएफ कलस्टर की समीक्षा करते हुए इसके लिए कार्य योजना बनाएं ताकि समूह की महिलाओं द्वारा बनाएं गए उत्पाद की अच्छी तरह बिक्री हो सके। उन्होंने लोक निर्माण की समीक्षा के दौरान कार्य शीघ्र करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग अंतर्गत एजुकेशन हब के तहत प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी, युक्तियुक्तकरण शिक्षकों की पदस्थापना, प्रतिमाह ली जा रही परीक्षा, बच्चों की आवासीय व्यवस्था की जानकारी ली गई।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि रेवाडीह कांजी हाऊस में गाय की संख्या अधिक है और यहां चारे और पानी की व्यवस्था होनी चाहिए। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि राजस्व विभाग अंतर्गत नक्शा, बटांकन, संयुक्त बटवारा एवं खाता विभाजन के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान डोंगरगढ़ विधायक दलेश्वर साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता साहू, कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950